@haryanavatika www.haryanavatika.in @haryanavatika @haryanavatika

हरियाणा वाटिका

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

लोहारू से प्रकाशित सोच बिल्कुल निष्पक्ष

RNI No-HARHIN/2019/79021 वर्ष : 06, अंक: 156 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 1.00 शुक्रवार, 04 अप्रैल 2025 haryanavatika@gmail.com +91-9255149495

प्रेरणास्रोत: स्व. डॉ. एलसी वालिया

सरकार का उद्देश्य लोगों के जीवन को आसान बनाना: सैनी

डीसी और एसडीएम व्यक्तिगत रूप से समाधान शिविर में उपस्थित होकर शिकायतों का मौके पर करें समाधान - मुख्यमंत्री

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज यहां वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला और उपमंडल स्तर पर आयोजित समाधान शिविरों में जनता से बातचीत की। बातचीत के दौरान उन्होंने लोगों की संतुष्टि के स्तर के बारे में प्रत्यक्ष रूप से जानकारी हासिल की। मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों और उपमंडल मजिस्ट्रेटों (एसडीएम) को भी प्रतिदिन व्यक्तिगत रूप से शिविर में उपस्थित होकर लोगों की शिकायतों का मौके पर ही समाधान करने के निर्देश दिए, ताकि शिकायतों का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों और एसडीएम से प्राप्त शिकायतों, निपटाई गई शिकायतों और लंबित शिकायतों की संख्या के बारे में भी जानकारी हासिल की। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि अक्टूबर से मार्च 2025 तक सभी जिलों में समाधान शिविरों में प्राप्त 18,925 शिकायतों में से 10,955 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है, 6,639 लंबित हैं और 1,331 को खारिज कर दिया गया है। इसी प्रकार, राज्यभर में शहरी स्थानीय निकायों में आयोजित समाधान शिविरों में प्राप्त 8,635 शिकायतों में से 5,761 का समाधान किया जा चुका है, 1,813 लंबित हैं और 1,061 को खारिज कर दिया गया है।

विभिन्न विभागों से संबंधित जन शिकायतों का एक ही स्थान पर समाधान करने के लिए लगाए जा रहे समाधान शिविर

नायब सिंह सैनी ने कहा कि विभिन्न विभागों से संबंधित जन शिकायतों का एक ही स्थान पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने जिला एवं उपमंडल मुख्यालय स्तर पर समाधान शिविर शुरू किए हैं। ये शिविर प्रत्येक कार्य दिवस में प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहते हैं, ताकि अपने-अपने विभागों से संबंधित शिकायतों का त्वरित समाधान किया जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि समाधान शिविरों के संबंध में सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक लोग राज्य सरकार की पहल का लाभ उठा सकें।

जींद अनाज मंडी में अव्यवस्था पर भड़की भाकियू

जींद/हरियाणा वाटिका एजेंसी

भारतीय किसान यूनियन ने गुरूवार को अनाज मंडी में प्रदर्शन किया और मार्केट कमेटी सचिव को मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। किसानों ने आरोप लगाए सरसों के तौल में गड़बड़ी की जा रही है तो वहीं गेहूं खरीद शुरू हो चुकी है और अभी तक बारदाना भी नहीं पहुंच पाया है। मंडी में पेयजल की व्यवस्था सही की जाए। भाकियू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामफल कंडेला की अध्यक्षता में किसान जींद नई अनाज मंडी के गेट पर एकत्रित हुए। इसके बाद भाकियू नेता किसानों से मिले। यहां किसानों ने बताया कि सरसों की खरीद की जा रही है लेकिन समय पर उठान नहीं हो रहा। इसके अलवा तौल में भी गड़बड़ी की जा रही है। खरीदी जा रही सरसों का वजन कम किया जा रहा है। इसके बाद किसान मार्केट कमेटी सचिव संजीव कुमार से मिले और ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि मंडी में गेहूं खरीद को लेकर इंतजाम अधूरे हैं। बारदाना अभी तक नहीं मिल पाया है। ढुलाई को लेकर तैयारियां पूरी नहीं हैं। उनकी मांग है कि जल्द से जल्द समस्या का समाधान किया जाए। किसानों के लिए पेयजल की बेहतर व्यवस्था की जाए। किसानों के रहनेए खाने.पीनेए सोने की व्यवस्था सही की जाए। मार्केट कमेटी सचिव संजीव कुमार ने किसानों की मांगों के उचित समाधान का आश्वासन दिया। इस मौके पर जिला प्रधान बारू राम, प्रदेश प्रवक्ता छज्जू राम कंडेला, युवा जिला प्रधान बिंद्र नंबरदार, राममेहर लोहान, राजेंद्र पहलवान सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

संवाद किसी भी समस्या के समाधान का होता है केंद्र बिंदु: हरविंद्र कल्याण

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने कहा कि संवाद किसी भी समस्या के समाधान का केंद्र बिंदु होता है। सार्थक चर्चा से निष्कर्ष निकले जाते हैं और निर्णय लिए जाते हैं। विधानसभा का सदन प्रदेश के लोगों के लिए नीति निर्धारण का अहम जरिया है। इसी सदन से योजनाओं के लिए बजट पारित किया जाता है और खर्च किए गए एक-एक पैसे का हिसाब भी विधानसभा की समितियां लेती हैं। यह समितियां सरकार को भी फिजूल खर्ची न करने की सलाह देती हैं। विधानसभा अध्यक्ष आज राजधानी युवा संसद द्वारा हरियाणा विधानसभा सदन में दो दिवसीय हरियाणा युवा संवाद, 2025 कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जहां यह सम्मेलन हो रहा है यह कोई साधारण मंच नहीं है बल्कि जनता द्वारा चुने हुए जनप्रतिनिधियों का मंच है, जहां वे अपने-अपने क्षेत्र की मांग उठाते हैं और समस्याओं के समाधान का प्रयास करते हैं। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं बल्कि प्राचीनतम लोकतंत्र है। हरविंद्र कल्याण ने कहा कि संसद व विधानमंडलों के सदन लोकतंत्र की आत्मा होती है। उन्होंने कहा कि संसदीय प्रणाली में विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका तीन स्तंभ होते हैं।

मीडिया को भी लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना गया है। विधायिका का महत्व सबसे अहम होता है

भाजपा कार्यकर्ताओं को संगठन में समन्वय बनाने के बारे में दी गई जानकारी : बड़ौली

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में 27 जिलों के जिला अध्यक्षों और 377 मंडल अध्यक्षों समेत 476 कार्यकताओं को प्रशिक्षित किया गया। उन्होंने कहा कि इन दो दिनों में 10 सत्र हुए जिनमें अलग-अलग वक्ताओं ने कार्यकताओं को प्रशिक्षित किया और भाजपा की रीति नीति तथा कार्यपद्धति से अवगत कराया। गुरुवार को समालखा के पट्टीकल्याण स्थित सेवा साधना केंद्र में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बड़ौली ने कहा कि कार्यशाला के पहले दिन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा सरकार की उपलब्धियां और योजनाएं कार्यकर्ताओं को बताईं। उन्होंने कहा कि मैने भी कार्यशाला में कार्यकर्ताओं को केंद्र की मोदी सरकार की योजनाओं से अवगत कराया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है।

भाजपा के निष्ठावान व कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ताओं की बदौलत भाजपा का संगठन दुनिया का सबसे बड़ा संगठन है। कार्यशाला में कार्यकर्ताओं को संगठन में समन्वय बनाने और संगठन विस्तार के बारे में भी जानकारी दी गई। बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीति और नेतृत्व तथा कार्यकताओं के अथक परिश्रम से केंद्र और राज्य में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। बड़ौली ने कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास के मूलमंत्र पर चलते हुए बिना भेदभाव किए विकास के कार्य कर रही है। भाजपा सरकार हर वर्ग को साथ लेकर चलने वाली और जन-जन के हित में काम करने वाली सरकार है।

अध्यापकों ने मांगों को लेकर डिप्टी स्पीकर को सौंपा ज्ञापन

जींद/हरियाणा वाटिका एजेंसी

एचकेआरएन के तहत लगे पीजीटी तथा टीजीटी अध्यापकों ने गुरूवार को डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा से मुलाकात की और ज्ञापन सौंप कर नई भर्ती, पदोन्नति व ट्रांसफर से प्रभावित अध्यापकों को रिक्त पदों पर समायोजित करने के बाद ही रिलीव करने की मांग की है। पीजीटी तथा टीजीटी अध्यापक नेहरू पार्क में एकत्रित हुए। जिन्होंने सरकार के आदेशों पर मंथन किया। लक्ष्मी, ममता, साक्षी, पूनम, सुनीता, बबीता, राकेश, सत्येंद्र, कृष्ण, विरेंद्र ने कहा कि सरकार के आदेशों से एचकेआरन के तहत लगे काफी संख्या में अध्यापक बेरोजगार होने तथा आजीविका को संकट पैदा हो जाएगा।

हरियाणा का आईआईटी मद्रास के साथ दो साल के एमओयू

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा सरकार ने आईआईटी, मद्रास के साथ सहयोग बढ़ाते हुए, डेटा-संचालित सड़क सुरक्षा हस्तक्षेपों के लिए और दो साल के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौते का अनावरण हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी और आईआईटी, मद्रास में सड़क सुरक्षा हेतु उत्कृष्टता केंद्र (सीओईआरएस) के प्रमुख, प्रोफेसर वेंकटेश बालासुब्रमण्यम की उपस्थिति में किया गया। यह साझेदारी दुर्घटना के आंकड़ों का अनुमान लगाने और लक्षित हस्तक्षेपों की योजना बनाने के उद्देश्य से प्रदेश में पहले लॉन्च किए गए संजय प्लेटफॉर्म जैसे उपकरणों का उपयोग करती है।

इस अवसर पर परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अशोक खेमका, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल, परिवहन आयुक्त दुष्मंता कुमार बेहरा और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। सड़क सुरक्षा उपायों पर एक बैठक के दौरान, रस्तोगी ने सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की जान बचाने की आवश्यकता पर बल देते हुए व्यावहारिक रणनीतियां लागू करने के लिए एक कार्य समूह के गठन का आह्वान किया। उन्होंने परिवहन और स्वास्थ्य विभागों को आपातकालीन प्रतिक्रिया में सुधार के लिए विशेष रूप से राजमार्गों के पास ट्रॉमा सेंटरों को अपग्रेड करने के लिए एक विस्तृत रोडमैप विकसित करने के निर्देश दिए।

सीएम नायब सिंह सैनी अटल कैंटीन मुख्यमंत्री अंत्योदय आहार योजना के संबंध में चंडीगढ़ में बैठक करते हुए।

सरकारी गेहूं खुर्द-बुर्द करने के दोषी अधिकारियों को तीन-तीन साल की सजा

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

सरकारी गेहूं को खुर्द-बुर्द करने के आरोपित खाद्य आपूर्ति विभाग के इंस्पेक्टर व सब इंस्पेक्टर को दोषी करार देते हुए कैथल में एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन जज की कोर्ट ने तीन-तीन साल की कैद व दस-दस हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है। गुरुवार को सुनाए गए फैसले के अनुसार न देने पर 3 महीने की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। इस मामले में तत्कालीन जेएमआईसी अंबरदीप सिंह की कोर्ट ने दोनों को 2017 में बरी कर दिया था। तत्कालीन डीएफएसओ केके बिश्नोई की शिकायत पर थाना कलायत में मुकदमा दर्ज करवाया गया था।

अपील में राज्य की ओर से पैरवी उप जिला न्यायवादी जेबी गोयल ने की। गोयल ने बताया कि शिकायतकर्ता के अनुसार 12 दिसंबर 2011 को कलायत केंद्र पर भंडारित गेहूं का स्टाक कम पाया गया। इससे विभाग को 84 लाख 45 हजार 34 रुपये की हानि हुई। कुल भरे हुए गेहूं के 5776 कट्टे कम पाए गए जिसके लिए गजे सिंह निरीक्षक खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, चेतन स्वरूप उप निरीक्षक खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, मनोज कुमार श्रम ठेकेदार पीआर केंद्र कलायत, रविंद्र कुमार बीसीपीए कलायत मंडी व चौकीदार को जिम्मेदार ठहराया गया। निचली अदालत ने इस केस में गजे सिंह व चेतन स्वरूप को बरी कर दिया था। इसके विरुद्ध स्टेट की ओर से सेशन कोर्ट में अपील दायर की गई। हालांकि इस मामले में इंस्पेक्टर गजे सिंह और सब इंस्पेक्टर चेतन स्वरूप के अतिरिक्त मनोज कुमार, रविंद्र और एक चौकीदार के विरुद्ध भी एफआईआर दर्ज की गई थी, लेकिन पुलिस ने केवल इंस्पेक्टर गजे सिंह और सब इंस्पेक्टर चेतन स्वरूप का ही चालान कोर्ट में पेश किया।

एडीजे अमित गर्ग की कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद निचली अदालत का फैसला बदल दिया तथा इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर को दोषी करार देते हुए दोनों को तीन-तीन साल के कारावास और 10-10 हजार रुपये के जुमार्ने की सजा सुनाई है।

पीएम की यमुनानगर में होगी ऐतिहासिक रैली: कृष्ण लाल

यमुनानगर/हरियाणा वाटिका एजेंसी

बाबा साहेब डॉ. भीमराव जंयती एवं थर्मल पांवर प्लांट के रूप में यमुनानगर को बहुत बड़ी सौगात देने के लिए 14 अप्रैल को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन पर हरियाणा के पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने एससी मोर्चा के पदाधिकारियों की बैठक ली। बैठक में सभी पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस बैठक की अध्यक्षता भाजपा एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष धर्मसिंह मटटू ने की। बैठक में पहुंचने पर एससी मोर्चा के पदाधिकारियों एवं नगर निगम की महापौर सुमन बहमनी ने पंचायत मंत्री को पुष्प गुच्छ जोरदार स्वागत किया। गुरुवार को बैठक में बोलते हुए पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि 14 अप्रैल को यमुनानगर में ऐतिहासिक रैली होगी और इस महारैली में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यमुनानगर में लगने वाले थर्मल पांवर प्लांट की आधारशिला भी रखेंगे। उन्होंने कहा कि वैसे तो हमारे देश में सदियों से अनेक महान संतो ने जन्म लेकर इस भारत भूमि को धन्य किया है जिसके कारण भारत को विश्वगुरु कहा जाता है और भारत में अनेक महापुरुषों ने इस धरती पर जन्म लेकर समाज में फैली बुराईयों, कुरूतियो को दूर करते हुए अपने बताये हुए सच्चे मार्ग पर चलते हुए भक्ति भावना से पूरे समाज को एकता के सूत्र में बाधने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि देश ही नहीं बल्कि विश्व की महान शख्सियत बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की जयंती को बड़ी धूमधाम व हर्ष के साथ यमुनानगर में मनाने जा रहे हैं। हरियाणा के पंचायत मंत्री ने कहा कि बाबा साहेब ने प्रत्येक समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए संविधान में आगे बढने.के लिए कुछ न कुछ अवश्य दिया है, इसलिए हम सभी ने डॉ भीमराव अंबेडकर जी द्वारा दी गई सविधान रूपी अनमोल धरोहर का आदर करना चाहिए।

शहर वहीं तरक्की करता है जिसे देखने के लिए बाहर से लोग आते हैं: अनिल विज

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि शहर वहीं तरक्की करता है जिसे देखने के लिए बाहर से लोग आते हैं। उन्होंने कहा कि अम्बाला छावनी में देश व विदेश के बडे तथा मैट्रोपोलिटन शहरों की तर्ज पर ओपन/डबल डेकर बस चलाने की योजना है जोकि पर्यटकों को शहीद स्मारक, साइंस सेंटर, बैंक स्क्वेयर, रानी का तालाब होते हुए सुभाष पार्क तक घुमाएगी। इससे लोगों को शहर की खूबसूरती देखने का बेहतर अवसर मिलेगा।

विज अंबाला में अपने आवास पर सुभाष पार्क में सुधार एवं अन्य कार्यों को लेकर सुभाष पार्क मैनेजमेंट कमेटी के अलावा एसडीएम, ईओ व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर एसडीएम विनेश कुमार, ईओ रविंद्र कुहार, सुभाष पार्क मैनेजमेंट कमेटी के चेयरमैन संजीव वालिया के अलावा अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि सुभाष पार्क आज अम्बाला ही नहीं बल्कि हरियाणा में आकर्षण का केंद्र बन गया है जहां आने वाले लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। उन्होंने कमेटी के सदस्यों व अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बच्चों के मनोरंजन के लिए पार्क में टॉय ट्रेन और हॉट एयर बैलून चलाने की सुविधा प्रारंभ की जाए। उन्होंने इस संबंध में नगर परिषद अधिकारियों को जल्द से जल्द कार्रवाई के निर्देश भी दिए क्योंकि इनके प्रारंभ होने से पार्क में बच्चों व लोगों के मनोरंजन में और इजाफा होगा।

सुभाष पार्क में हॉट लाइन से होगी विद्युत आपूर्ति, मंत्री विज ने निर्देश दिए

बैठक में ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने सुभाष पार्क में बिजली आपूर्ति को लेकर चर्चा की। उन्होंने सुभाष पार्क को बिजली की हॉट लाइन से जोड़ने के लिए बिजली अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। हॉट लाइन से बिजली आपूर्ति होने पर पार्क में विद्युत आपूर्ति निरंतर होगी। बैठक के दौरान कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने निर्देश दिए कि सुभाष पार्क में इस समय कई फूल व पौधे लगे हैं जोकि आकर्षण का केंद्र है। मगर फूलों की संख्या को और बढ़ाया जाए ताकि पार्क हर समय खिलता हुआ नजर आए। उन्होंने कहा कि पार्क में सीजनल और ऑल वेदर दोनों फूल लगाए जाए। फूल लगाने के लिए अलग-अलग स्थानों का चयन किया जाए। बैठक के दौरान कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने सुभाष पार्क की झील को साफ रखने के लिए इसमें मछलियां डालने के निर्देश दिए जोकि झील के पानी को साफ रखती है। इसके अलावा, उन्होंने झील में लगे फाउंटेन की मरम्मत करने, झील में नियमित तौर पर पानी डालने आदि के निर्देश भी दिए। अनिल विज ने पार्क में लगे म्यूजिकल फाउंटेन को भी नियमित तौर पर जांचने के निर्देश दिए ताकि लोग म्यूजिकल फाउंटेन का लुत्फ उठा सकें।

सुभाष पार्क में नहीं होगी किसी भी वाहन की एंट्री, मंत्री अनिल विज ने दिए सख्त निर्देश

सुभाष पार्क के ओपन एयर थियेटर में सामान पहुंचाने व अन्य कार्यों के लिए आ रहे छोटे वाहनों पर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि पार्क के अंदर कोई भी गाड़ी भविष्य में प्रवेश नहीं करेगी। उन्होंने थियेटर में स्थाई तौर पर साउंड सिस्टम लगाने तथा पार्क में अलग-अलग स्थानों पर लगे म्यूजिक स्पीकरों को भी नियमित तौर पर चलाने के निर्देश दिए। इसके अलावा, पार्क में प्लास्टिक के डस्टबिन अलग-अलग स्थानों पर लगाने के भी निर्देश दिए। बैठक में कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने सुभाष पार्क में फूड कोर्ट की एंट्री रोड की तरफ से भी करने के निर्देश दिए।

बाइक सवार युवक 5.64 ग्राम हैरोइन सहित काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 03 अप्रैल। सीआईए डबवाली पुलिस ने गश्त के दौरान मलोट रोड क्षेत्र से बाइक सवार युवक को 5.64 ग्राम हैरोइन सहित काबू किया है।

सीआईए डबवाली प्रभारी सब इंस्पेक्टर राजपाल ने बताया कि एएसआई पाला राम सहारण पुलिस पार्टी के साथ गश्त के दौरान गोल चौक मंडी डबवाली पर मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने मिली गुप्त सूचना के आधार पर मलोट रोड पुल के नीचे से बाइक सवार युवक को काबू कर उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जा से 5.64 ग्राम हैरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान विजय पुत्र सोहनलाल निवासी वार्ड नंबर 14 मंडी डबवाली के रुप में हुई है। आरोपी के खिलाफ शहर थाना डबवाली में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कार्यवाही की गई है।

नाबालिगा को भगाकर ले जाने का आरोपी काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 03 अप्रैल। गोरीवाला चौकी पुलिस ने नाबालिगा को बहला फुसलाकर ले जाने के मामले में आरोपी को काबू किया है। आरोपी की पहचान प्रेम कुमार पुत्र दलबीर सिंह निवासी मटदादू के रुप में हुई है। गोरीवाला चौकी पुलिस प्रभारी एएसआई जयवीर ने बताया कि बीती 16 मार्च को पीड़िता के पिता के बयान पर कि उसकी नाबालिग लडकी को आरोपी द्वारा बहला फुसलाकर ले जाने पर मामला दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान आरोपी प्रेम कुमार पुत्र दलबीर को काबू किया गया है। आरोपी को अदालत में पेश किया जाएगा।

सावधान! गिब्ली स्टाइल फोटो के चक्कर में न पड़े, आपकी प्राइवेसी को हो सकता है बड़ा खतरा: एसपी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 03 अप्रैल। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने कहा कि हाल ही में सोशल मीडिया पर एक नया ट्रेंड छाया हुआ है- गिब्ली स्टाइल एआई इमेज। लोग अपनी पर्सनल फोटोज को चैट जीपीटी और अन्य प्लेटफॉर्म पर अपलोड कर, गिब्ली एनीमेशन जैसी इमेज बना रहे हैं। यह ट्रेंड सेलेब्रिटीज से लेकर आम लोगों तक सभी में लोकप्रिय है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह ट्रेंड आपकी प्राइवेसी के लिए खतरा बन सकता है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि साइबर एक्सपर्ट का मानना है कि ओपन एआई जैसी कंपनियां, इन फोटोज का उपयोग एआई ट्रेनिंग के लिए कर सकती है तथा बिना आपकी सहमति के ये फोटोज डेटा ब्रोकर के जरिए साइबर फ्रॉड करने वाले अपराधियों के हाथों में पहुंच सकती है। साइबर अपराधी आपकी फोटोज का गलत इस्तेमाल कर आपको ब्लैकमेल कर सकते है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जैसे-जैसे टेक्नोलॉजी अपना रूप बदल रही है वैसे-वैसे साइबर क्रिमिनल्स ठगी के नए-नए तरीके अपना रहे है। उन्होंने कहा कि आप सावधानी रखकर एआई स्कैम से बच सकते हैं। उन्होने कहा कि कुछ समय पहले तक जालसाज लिंक भेजकर, फर्जी वेबसाइट बनाकर ऑनलाइन जालसाजी करते थे, लेकिन अब फ्रॉड के लिए एआई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक के जरिए साइबर अपराधी लोगों की आवाज को भी कॉपी कर साइबर फ्रॉड को अंजाम दे रहे हैं, इतना ही नहीं फोटो के जरिए आपका नकली वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर पैसों की डिमांड की जा रही है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक के कारण जीवन जीतना आसान हुआ है उतना ही जालसाजी की समस्या भी बढ़ गई है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से नामी लोगों के डीप फेक वीडियो के कई मामले सामने आ चुके है। यदि किसी अनजान नंबर से आपके पास कॉल या वीडियो कॉल आया है और उसमें आपके पहचान वाले व्यक्ति की आवाज सुनाई दे रही है या उसका वीडियो दिख रहा है तो उसकी बातों में आने के बजाय क्रॉस वेरीफाई करें, और उसके असली नंबर पर संपर्क करें। ऐसा करके आप खुद को स्कैम से बचा पाएंगे। आधुनिकता की इस युग में सावधानी व सतर्कता ही साइबर अपराधियों से बचने का बेहतर उपाय है।

चाकु मार कर घायल करने व जान से मारने की धमकी देने के आरोप में तीन पर मामला दर्ज

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

इस्माईलाबाद, 03 अप्रैल। चाकु से हमला कर घायल करने व मार से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने दो नामजद व एक अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आदित्य वासी मंधेडी थाना में दी शिकायत में बताया कि 1 अप्रैल को वह अपने पडोस में रामलाल के लड़के सन्जु की शादी में मौजूद था। उसी समय साहिल वासी अजन्थली जिला करनाल उसको शादी से बुलाकर फौजी की कोठी के पास जो मेन रोड पर लेकर गया वहां पर पहले से 2 लड? मोटर साईकिल के पास खड़े थे। उसी समय साहिल व एक अन्य लडके ने उसे पकड़ लिया और कहा कि इसको दिन की लड़ाई का मजा चखाते है। तीसरे लड? ने उसकी कमर पर चाकु से दो वार किए जिससे वह घायल हो गया। उसके चिल्लाने पर आरोपी मौके से भाग गए तथा जाते समय उसको जान से मारने की धमकी भी देकर गए। उसके अंकल राकेश वासी मंधेडी ने उसे कुरुक्षेत्र के एलएनजेपी अस्पताल में दाखिल करवाया जहां पर उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने आदित्य की शिकायत पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की जांच एसआई जसवीर सिंह कर रहे है।

इंपाउंड वाहनों की पुलिस करवाएगी नीलामी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 03 अप्रैल। यातायात पुलिस की ओर से वर्ष 2023-2024 में वाहन चेकिंग के दौरान नियमों की अवहेलना करने के मामले में सैकड़ों वाहनों को इंपाउंड किया गया, लेकिन अभी तक वाहन मालिकों ने अपने वाहनों को छुड़वाने की जहमत नहीं उठाई है।

जिला यातायात थाना प्रभारी इंस्पेक्टर शमशेर सिंह ने बताया कि वाहन मालिकों को 2-3 बार नोटिस जारी किए जा चुके हैं फिर भी वाहन मालिकों ने अपने वाहनों को नहीं छुड़वाया। उन्होंने बताया कि मीडिया के माध्यम से भी वाहन मालिकों को सूचित किया जा चुका है। यातायात थाना प्रभारी ने बताया कि अब यदि आगामी एक सप्ताह के अंदर मालिकों ने अपने वाहनों को नहीं छुड़वाया तो वाहनों की नीलामी करवाने की कार्रवाई उमल में लाई जाएगी।

राम तिलक बंसल एक शरीफ अधिकारी थे मगर प्रशासनिक काम में ज्यादा शरीफ ठीक नही : रजनीश गर्ग

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

हांसी, 03 अप्रैल। राम तिलक बंसल एक शरीफ अधिकारी बताया हैं। उन्होंने अपने ज़िन्दगी के 40 वर्ष निगम की सेवा की हैं। वे काफी मेहनती से अपने काम को करते थे। मगर प्रशासकीय काम ज्यादा शरीफ नही चाहिए । यह बात दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लि के एडीएम चीफ रजनीश गर्ग ने कही। इस सम्मान समारोह में रजनीश गर्ग चीफ एडमिन प्रमोद सिंगल, एडमिन अनुपम कटिहार रए लफ एडमिन रवि ठकराल अंडर सेक्रेटरी , पवन सहाराण, अंडर सेक्रेटरी डिंपल छाबड़ा अंडर सेक्रेटरी ,महेंद्र सिकरी सुपरीटेंडेंट , संजय गक्कड़ सुपरिंटेंडेंट , अनिल वर्मा सुपरिटेंडेंट , मुकेश गुप्ता ,सुपरिंटेंडेंट पवन शर्मा , वीरेंद्र डिप्टी सुपरीटेंडेंट सुनील सुनील कुमार असिस्टेंट , दीपक कुमार यूडीसी , राजेश कुमार असिस्टेंट , पवन कुमार असिस्टेंट , मुकेश

कुमारी असिस्टेंट अंजू यूडीसी , अविनाश यूडीसी निशा डाटा ऑपरेटर , पंकज मित्तल डाटा ऑपरेटर, के अलावा काली रावण खाप के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व बिजली कर्मी सज्जन सिसाय वाला , पूर्व उपाध्यक्ष मार्केट कमेटी भट्ठू व व्यापारी नेता कृष्ण सिंगला , पूर्व बैक प्रबन्धक यशपाल बंसल , सुनील बंसल आदि लोग मौजूद थे। जब राम तिलक बंसल ने जैसे बोलने लगे तो आभार करने की बात पर वे अपने आशुओं को नही रोक सके । यह आशु आशु खुशी के थे । उनकी बात को उनकी पुत्री सीए प्रेरणा ने पूरी की ।

निगम की ओर सेवानिवृत्ति अण्डर सैक्टरी को मान स्वरूप पगड़ी , स्मृचिन्ह व फुलों की मालाओं से उन्हे लद दिया। बंसल ने बाद में कहां कि 40 वर्ष सर्विस के दौरान किसी भी सदस्य के साथ अनजाने में कुछ बोल दिया हो तो माफ कर देना। सभी लोगों ने मेरा भरपूर योगदान दिया फिर एक बार दिन से आप सभी का आभारी हूँ।

निगम मुख्य कार्यालय में सम्मान समारोह व पार्टी समाप्त हुई ढोल की ताल पर स्टाफ कर्मी व परिजन नाचें।

स्टेट हाईवे के अतिक्रमणधारियों को नोटिस सौंपे

50 से अधिक दुकानदारों को औपचारिक स्वरूप अतिक्रमण हटाने को जारी किए है नोटिस

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

बहल, 03 अप्रैल। बहल के मुख्य बाजार से गुजरते सुधिवास-असंध स्टेट हाईवे के अतिक्रमण धारियों को औपचारिक स्वरूप अतिक्रमण हटाने को लोक निर्माण विभाग ने वीरवार को दुकानदारों को उनके संस्थानों पर पहुंचकर सौंपे हैं। करीब 50 अधिक दुकानदारों को ये नोटिस सौंपे हैं। अतिक्रमण हटेंगे या पूर्व की भांति बंदर भभकी है यह तो समय बताएगा, लेकिन दुकानदारों को नोटिस देने की प्रक्रिया ही बेमानी सी लग रही है। नोटिस सौंपनें पहुंचे विभाग के अधिकारी व कर्मचारी ने अतिक्रमण धारियों को उसका नाम पुष्कर नोटिस में भरकर दिया गया है। नोटिस की प्रतिलिपि के तौर पर मोबाइल से फोटो खींचकर रखा गया है। नोटिस में नोटिस धारक को यह तक नहीं बताया गया कि उसने कितनी जगह पर अतिक्रमण कर रखा है। नियमानुसार सड़क मार्ग

की प्रामाणिक तौर पर पैमाइश कराकर कि अतिक्रमण धारियों ने लोक निर्माण की कितनी जमीन पर अवैध अतिक्रमण कर रखे हैं। जो उसे हटाना है की इसकी जानकारी नोटिस में देनी चाहिए थी, नहीं है। आज तक तो विभाग को यह तक नहीं पता कि अतीत में दिए गए नोटिस की किन प्रतिक्रमण धारी को दिए गए थे और कितनों को दिए गए थे।

इसका शायद विभाग के पास रिकार्ड नहीं होना प्रतीत होता है। ऐसा आज सौंपे गए नोटिसों के वितरण की प्रक्रिया से लगता है। खैर जो भी है पब्लिक सड़क मार्ग को अतिक्रमणों से मुक्त चाहती है और इसकी मांग भी समय समय पर होती रही है। कस्बे के मुख्य बाजार व सड़क मार्ग पर 55 से 60 फीट तक अतिक्रमण पुख्ता किए गए हैं और आवाज आई के लिए 20 से 22 फीट तक की सड़क को ही छोड़ गया है। इसके चलते यातायात के जाम और दुकानदार रेहडी वालों में रोज के संघर्ष होते रहे हैं। हाल ही में सड़क मार्ग से अतिक्रमण हटाने और जाम से मुक्ति दिलाने के लिए लोक कष्ट निवारण समिति के अध्यक्ष को एक स्थानीय जागरूक नागरिक ने पत्र लिखा था।

उधर संजय अग्रवाल ने नोटिस मिलने की पुष्टि करते हुए बताया है कि उसको विभाग ने जो नोटिस थमाया है। उसमें कहीं भी यह नहीं दशार्या कि उसकी दुकान के सामने कितना अतिक्रमण हटाना है। विभाग ने किसी प्रकार की कोई पैमाइश अभी तक बहल बाजार में नहीं की है। जब तक विभाग पैमाइश नहीं करवाकर बनाए गए पक्के नालों के अंदर की साइड नहीं हटवाता है। तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने नवनिर्वाचित चेयरमैन व पार्षदों की बैठक ली

पार्षदों ने शहर में नए 2 कम्युनिटीहॉल बनवाए जाने की मांग की

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

रादौर, 03 अप्रैल। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने शहर के नवनिर्वाचित चेयरमैन व पार्षदों की बैठक ली। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने शहर के विकास को लेकर चेयरमैन रजनीश मेहता शालु व पार्षदों के साथ विस्तार से चर्चा की। इस दौरान पार्षदों ने शहर में 2 कम्युनिटी हॉल बनवाए जाने की मांग की। जिससे शहर के लोगों को अपने आयोजन करवाने में सुविधा हो सके। कृषि मंत्री ने शहर को सुंदर बनाने के लिए दुकानों पर एक रंग के बोर्ड लगाए जाने की बात कही। जिसको लेकर शहर से गुजर रहे एसके रोड पर बनी दुकानों पर एक रंग के बोर्ड लगाए जाने की पहल करने पर सहमति जताई गई। वहीं शहर में युवाओं के लिए ई लाइब्रेरी बनाए जाने, अधूरे पड़े स्टेडियम को जल्द बनाए जाने की बात कही गई। रादौर को जल्द उप मंडल की नई बिल्डिंग की सौगात मिलने वाली है, जल्द लघु सचिवालय के निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा ।शहर में बेहतर सफाई व्यवस्था पर जोर दिया गया। हर वार्ड में बेहतर स्ट्रीट लाइट, शहर के मुख्य चौको पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की बात कही गई। इस अवसर पर चेयरमैन रजनीश मेहता शालु, पार्षद जसवंत सिंह, भगवतदयाल कटारिया, सुदेश सैनी, राजीव आर्य सन्नी, रणजीत सिंह, ऋषिपाल नंबरदार, चरणजीत मोनू, श्रीकांत मोंटी, संदीप छोटाबांस, सुशील कुमार बत्रा, गुलशन सैनी, रविंद्र सैनी, विनिश राणा जुगनु, अमनदीप छोटाबांस आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने अंबाला शहर विधानसभा को दी सौगात, 11 करोड़ से बनने वाली सड़कों को मिली मंजूरी

पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल ने जताया सीएम नायब सैनी का आभार

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

अम्बाला, 03 अप्रैल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लगातार अंबाला शहर विधानसभा का विकास करवाने के लिए प्रयासरत है। एक बार फिर अम्बाला शहर विधानसभा के गावों में दो सड़कों के निर्माण को मंजूरी दी है। बता दें कि इन सड़कों के निर्माण के लिए सरकार ने लगभग 11 करोड़ रुपये की राशि को मंजूरी दी है।

इन सड़कों के बनने से आधा दर्जन से अधिक गांवों के ग्रामीणों को फायदा होगा। अब जल्द ही इन सड़कों का निर्माण कार्य शुरू होगा। इन सड़कों की मंजूरी को लेकर पूर्व

मंत्री असीम गोयल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया है।

पूर्व मंत्री असीम गोयल ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लगातार अम्बाला शहर विधानसभा में विकास कार्यों की सौगात दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में दो सड़कों को मंजूरी मिली है। इनमें अंबाला-बड़ौला रोड मटहेड़ी शेखां तक लगभग 5 करोड़ की लागत से बनेगी। इसकी लंबाई करीब 9.40 किलोमीटर है। इस सड़क के बनने से अम्बाला शहर विधानसभा के गांव बहबलपुर, भानोखेड़ी, लखनौर साहिब, तेजा मोहड़ी, मटहेड़ी शेखां के लोगों को फायदा होगा। इसी तरह अंबाला हिसार रोड से नडियाली, खैरा से मेतलां, रसूलपुर से एमएसएन रोड़। जिससे नडियाली, खैरा, मेतलां,रसूलपुर, बकनौर,उदयपुर नकटपुर, बाँहपुर और नन्यौला के ग्रामीणों को लाभ मिलेगा। इस सड़क के निर्माण पर करीब 5 करोड़ 94 लाख की लागत आएगी। सड़क की लंबाई करीब 16 किलोमीटर है। अम्बाला शहर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों को यह महत्वपूर्ण सौगात देने के लिए पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल ने मुख्यमंत्री नायब सैनी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि नायाब सरकार के कार्यकाल में अंबाला शहर पूरे हरियाणा के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी अंबाला में विकास कार्य निरन्तर जारी रहेंगे।

गन्ने के खेत में लगी आग- साढ़े चार एकड़ में लगी फसल जली

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 03 अप्रैल। डबवाली उपमंडल के गांव सुकेरा खेड़ा में बुधवार को गन्ने की तैयार फसल में शॉट सर्किट से अचानक आग लग गई। जिससे करीब साढ़े चार एकड़ गन्ने की तैयार फसल जलकर पूरी तरह से राख हो गई। सूचना पाकर दमकल की तीन गाडि?ां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जब तक आग पर काबू पाया गया तब तक फसल जलकर राख हो चुकी थी।

जानकारी अनुसार किसान आनंद कुमार जमीन ठे-के पर लेकर पिछले दो साल से गन्ने के फसल की बिजाई कर रहा है। इस वर्ष भी किसान द्वारा 8 एकड़ में गन्ना बोया गया। आग लगने के कारण

उसकी करीब साढ़े चार एकड़ में गन्ने की फसल जलकर राख हो गई। बताया जा रहा है कि जिस समय खेत में आग लगी उस समय खेतों की लाइट चल रही थी। जिससे यह अंदेशा लगाया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट से ही आग लगी है। जिसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई और दमकल विभाग की तीन गाडि?ों द्वारा कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। पीड़ित किसान आनंद कुमार ने बताया कि पिछले वर्ष भी बोए गन्ने की फसल में मई महीने में आग लग गई थी, जिससे भारी नुकसान हुआ था। जिसका क्लेम उसे अभी तक नहीं मिला है। इस वर्ष भी 8 एकड़ में गन्ना बोया गया है। जिसको 700 रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से बेचा हुआ है। जिससे आग लगने से भारी नुकसान हुआ है। पीड़ित किसान द्वारा स्पेशल गिरदावरी करवाकर नुकसान की भरपाई की मांग की है।

फ्लिपकार्ट ने स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूती दी

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

पानीपत, 03 अप्रैल। भारत का घरेलू ईकॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट देश में स्टार्टअप इकोसिस्टम के भविष्य को आकार देने वाले सबसे बड़े स्टार्टअप सम्मेलन ह्यस्टार्टअप महाकुंभ 2025ह्ल में हिस्सा ले रहा है। इस आयोजन के दूसरे संस्करण का आयोजन 3 से 5 अप्रैल, 2025 तक नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में किया जा रहा है। इसकी थीम ह्यस्टार्टअप इंडिया एट द रेट (@) 2047: अनफोल्डिंग द भारत स्टोरीह्ल रखी गई है। इस सम्मेलन में आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत की दिशा में देश के सफर को रेखांकित किया जा रहा है। स्टार्टअप महाकुंभ 2025 में 3,000 से ज्यादा स्टार्टअप, 1,000 निवेशक और 50 से ज्यादा देशों के 50,000 से ज्यादा बिजनेस विजिटर्स हिस्सा ले रहे हैं। इस अवसर पर फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा, ह्यएक घरेलू कंपनी के रूप में फ्लिपकार्ट भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। फ्लिपकार्ट वेंचर्स के माध्यम से हम निवेश, मेंटरशिप एवं बड़े इकोसिस्टम तक पहुंच प्रदान करते हुए उभरते स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूती दे रहे हैं। स्टार्टअप महाकुंभ 2025 जैसे प्लेटफॉर्म और सरकार की प्रगतिशील नीतियां भारत की अथक उद्यमिता की भावना का प्रमाण हैं। भारत को स्टार्टअप पावरहाउस बनाने और इनोवेटर्स की नई पीढ़ी को समर्थन देने के इस परिवर्तनकारी सफर का हिस्सा बनने का हमें गर्व है।ह्ल फ्लिपकार्ट वर्ष 2007 से ही उद्यमियों, एमएसएमई को सशक्त करते हुए भारत में स्टार्टअप के परिवेश को आकार देने में अहम भूमिका निभा रही है और डिजिटल इकोनॉमी को नई परिभाषा देने वाले यूनीकॉर्न्स को बढ़ावा दे रही है। अपनी इकाई फ्लिपकार्ट वेंचर्स के माध्यम से कंपनी शुरूआती चरण में निवेश एवं पूंजीगत सहयोग प्रदान करते हुए, मेंटरशिप के माध्यम से और ऑपरेशनल विशेषज्ञता के जरिये इनोवेशन को गति दे रही है। स्टार्टअप्स को फ्लिपकार्ट के बड़े इकोसिस्टम, टूल्स, मार्केट इनसाइट्स और इंडस्ट्री नेटवर्क तक पहुंच का भी लाभ मिल रहा है, जिससे उन्हें सतत तरीके से विस्तार करने और लंबी अवधि में विकास की संभावनाएं खोलने में मदद मिली है।

हेरा, ऐश्वर्या और गुरशरण को मिला सिम्मी मरवाहा स्मृति सम्मान

हरियाणा वाटिका/प्रवीन कुमार

चंडीगढ़, 03 अप्रैल। सिम्मी मरवाहा मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 22वां युवा पत्रकार सम्मान दिवस चंडीगढ़ प्रैस क्लब में करवाया गया। जहां साल 2025 के लिए बिहार से शोशल मीडिया की युवा पत्रकार हीरा रिजवान , दिल्ली से ऐश्वर्या ए वी राज और पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ से मास काम पत्राचार टॉपर गुरशरण सिंह को शुद्ध चांदी का सम्मान भेंट किया गया।

हेरा ने चाइल्ड मॉडलिंग स्कैम, मगनरेगा घोटाला , राम मंदिर के नाम पर सोशल मीडिया में मशहूरी जैसी खबरें कर खोजी पत्रकारिता का प्रमाण दिया। ऐश्वर्या के द्वारा नारी शक्ति और उनके हक विषय पर अपनी बुलंद कलम का एहसास कराया। गुरशरण मूल रूप से गिदडबाहा निवासी और बनूड़ के सरकारी स्कूल में गणित के अध्यापक है।

अनाज मंडी में सरसों की आवक बढ़ी, रोजाना लगने लगा जाम

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

बहल, 03 अप्रैल। अनाज मंडी के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सरसों खरीद के दर पर सरसों की आवक तेज होती जा रही है और इसके चलते बहल झूंपा सड़क मार्ग सरसों से भरी ट्रैक्टर व दूसरे साधनों की लंबी कतार लगने लगी है। इससे यातायात के जाम और बढ़ गए हैं। अल सुबह से सरसों भरकर किसान मंडी पहुंच रहे हैं और देखते ही देखते रह लंबी कतार लग बहल झूंपा व सुरपुरा मार्ग दूसरे यातायात के संसाधनों के लिए रुक से जाते हैं। यह स्थिति बाद दोपहर तक रहती है। ज्यों ज्यों सरसों की आवक तेज होती जाएगी ट्रैक्टरों की कतार 5 किलोमीटर से अधिक तक लगने लगेगी। इस दौरान यातायात के दूसरे साधन दूसरे मार्गों से बाजार की गलियों से बड़ी मुश्किल से निकाल पाने हैं। अनाज मंडी गेट से लेकर राजगढ़ रोड पर पुलिस थाने तक कमोवेश यही हालत बन आते हैं। इसके चलते बेल के मुख्य बाजार में भी जाम की स्थिति काफी बढ़ जाती है। कस्बे के दुकानदारों की मंडी प्रशासन व पुलिस से मांग है कि यातायात के जाम रोकने के लिए पुख्ता व्यवस्था की जाए।

मैक्स फैशन ने लैक्मे फैशन वीक में शानदार शुरूआत की

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

हिसार, 03 अप्रैल। मैक्स फैशन ने लैक्मे फैशन वीक ७ ऋऊउक के 25वें एडिशन में एक साहसिक और परिवर्तनकारी शुरूआत की, जिसमें उनकी प्रेरणा कल्कि केकलाँ थीं। इस क्षण ने भारतीय फैशन में एक महत्वपूर्ण बदलाव को चिह्नित किया, मैक्स फैशन ने देश के सबसे प्रतिष्ठित रनवे में से एक पर हाई-स्ट्रीट स्टाइल को फिर से परिभाषित किया। यह महज एक रनवे क्षण नहीं था, बल्कि यह एक सांस्कृतिक मूल्यांकन था - एक बयान कि वैश्विक फैशन हर किसी के लिए है, जिसमें ऐसी शैली अपनाई जाती है जो सुलभ हो, ट्रेंड के साथ चलने वाली हो, जिसे आसानी से पहना जा सके। अपने सिसिलियन समर और अमाल्फी एस्केप कलेक्शन्स के लॉन्च के साथ, मैक्स फैशन ने न केवल हाई-स्ट्रीट फैशन को पुनर्परिभाषित किया बल्कि इसने एक मंच तैयार

करके दिया जिससे लाखों लोगों की आकांक्षा सुलभ हो गई।

मैक्स की उपाध्यक्ष और मार्केटिंग प्रमुख पल्लवी पांडे कहती हैं, मैक्स फैशन की लैक्मे फैशन वीक में शुरूआत सिर्फ.एक मील का पत्थर नहीं है; यह एक ब्रांड के तौर पर हमारी पहचान की एक सशक्त पुष्टि है। हमारा हमेशा से मानना रहा है कि फैशन सभी के लिए सुलभ होना चाहिए। कल्कि केकलाँ को अपनी प्रेरणा मानते हुए, हम स्टाइल को आत्म-अभिव्यक्ति के एक ऐसे रूप के रूप में मना रहे हैं जो सभी का है। यह शुरूआत लाखों लोगों के लिए ट्रेंड-ड्रिवन फैशन उपलब्ध कराने के बारे में है, चाहे वे स्टोर में खरीदारी करें या ऑनलाइन। यह स्टाइल, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व का जश्न है।

मैक्स फैशन के डिप्टी सीईओ सुमित चाँदना ने कहा, "यह शुरूआत हमारे विकास में अगला बड़ा कदम है। मैक्स फैशन हमेशा से सभी के लिए बेहतरीन फैशन उपलब्ध कराने के बारे में रहा है - चाहे वह हमारे 520 से अधिक स्टोर के माध्यम से हो या हमारी बढ़ती ऑनलाइन उपस्थिति के माध्यम से। लैक्मे फैशन वीक फैशन को केवल आकांक्षा के बारे में नहीं, बल्कि सब तक इसकी पहुँच और समावेशिता बनाने के हमारे दृष्टिकोण का एक स्वाभाविक विस्तार है।

यह एक शो से कहीं अधिक है; यह भारत में फैशन के लिए एक नए युग की शुरूआत है।"

एसडीएम पिहोवा ने किया मंडी में गेहूं खरीद व्यवस्था किया औचक निरीक्षण

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

इस्माईलाबाद, 03 अप्रैल। सरकार द्वारा एक अप्रैल से गेहूं खरीद के ऐलान के बाद मंडी की तैयारियों का औचक निरीक्षण करने के लिए एसडीएम पिहोवा एवं मार्केट कमेटी के प्रशासक कपिल शर्मा ने मंडी दौरा किया। उन्होंने अनाज मंडी में साफ सफाई, बिजली, पानी, वारदाना संबंधी सभी व्यवस्थाओं को जांचा। औचक निरीक्षण के बाद उन्होंने मार्केट कमेटी कार्यालय में जानकारी देते हुए कहा कि गेहूं खरीद को लेकर प्रशासन द्वारा सभी तैयारियों पूरी कर ली गई है। गेहूं खरीद को लेकर आढ़तियों व किसानों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होने दी जाएगी। जो गेहूं सरकारी मापदंडों के अनुसार सही पाया जाएगा उसको तुरंत प्रभाव से खरीद लिया जाएगा। इसके बाद भी अगर आढ़तियों व किसानों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत आती है तो वे समस्या को उनके समक्ष रख सकते है उसका तुरंत प्रभाव से समाधान किया जाएगा। उन्होंने किसानों से भी आह्वान किया कि जल्दबाजी के चक्कर में नमी युक्त गेहूं मंडी में न लेकर आए इससे गेहूं खरीद में तो दिक्कत होती ही है साथ में किसानों को भी खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि इस्माईलाबाद अनाज मंडी में गेहूं खरीद का जिम्मा खरीद एजेंसी हैफड व खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को सौंपा गया है। हफेड से इंस्पेक्टर राजपाल सिंह तथा खाद्य एवं आपूर्ति विभाग से इंस्पेक्टर सतबीर सिंह की देखरेख में गेहूं खरीद की जाएगी। इस अवसर पर मार्केट कमेटी सचिव अंकुर ठकराल, राइस मिल एसोसिएशन के प्रधान राजेश कंसल, मंडी पूर्व सचिव बलदेव शर्मा, शेख आदि मौजूद रहे।

शेक्सपियर के प्रसिद्ध नाटक द मर्चेंट ऑफ वेनिस पर विद्यार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

इस्माईलाबाद, 03 अप्रैल। राजकीय महाविद्यालय चम्मू कलां में अंग्रेजी विभाग के बीए तृतीय वर्ष के छात्रों ने शेक्सपियर के प्रसिद्ध नाटक द मर्चेंट ऑफ वेनिस पर विभिन्न दृष्टिकोणों से शोध पत्र प्रस्तुत किए। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ललिता ने इस आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह नाटक बीए तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रम का अभिन्न हिस्सा है। छात्रों ने इसमें मौजूद सांस्कृतिक, नैतिक और सामाजिक पहलुओं पर गहन विश्लेषण किया। इस कार्यक्रम में साक्षी, रज्जी और अंकित ने अपनी बेहतरीन प्रस्तुति से विशेष प्रशंसा प्राप्त की। कार्यक्रम में बीए तृतीय वर्ष के लगभग 40 विद्यार्थियों ने अपने पेपर प्रस्तुत किए।

अनुदान पर मूंग का बीज लेने के लिए किसान 20 अप्रैल तक करें पंजीकरण: सुशील

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

इस्माईलाबाद, 03 अप्रैल। वित्त वर्ष 2025-26 की शुरूआत में ही दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए फसल विविधीकरण योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा मूंग के बीज पर 75 प्रतिशत का अनुदान दिया जाएगा। खंड एवं विकास अधिकारी सुशील कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि किसान इस समय गन्ना, सरसों या सब्जी के बाद खाली खेतों में मूंग की बिजाई कर सकते है। यह समय मूंग की बिजाई के लिए उपयुक्त समय है। इसके अलावा गेहूं की कटाई के बाद भी किसान मूंग की बिजाई कर सकते है। मूंग की बिजाई करने से किसानों को दोहरा लाभ मिलता है। जहां दलहन की अच्छी पैदावार मिल सकती है वहीं मूंग की फसल की जड़ों में बनी गांठ वातावरण में मौजूद नाइट्रोजन को भूमि में मिलती है। जिससे भूमि की उपजाऊ शक्ति बढ़ती है। हरी खाद खेत में मिलने से भूमि को खाद के रूप में मिलने से जैविक कार्बन की मात्रा में वृद्धि होती है। उन्होंने बताया कि अनुदान पर बीज प्राप्त करने के लिए किसान डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू एजीआरआईहरियाणा डॉट जीओवी डॉट इन वेबसाइट पर पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण की अंतिम तिथि 20 अप्रैल है। एक किसान अधिकतम तीन एकड़ (30 किलोग्राम) का बीज की प्राप्त कर सकता है। कृषि विभाग की टीम बाद में बुवाई किए गए क्षेत्र का दौरा कर सत्यापन करेगी तथा बिजाई न मिलने पर किसान को अनुदान राशि वापिस जमा करवानी होगी।

बाइक कार की टक्कर में युवती की मौत, 3 घायल

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 03 अप्रैल। हिसार रोड सिरसा बाईपास पर कार और बुलेट की आपस में हुई टक्कर में एक युवती की मौत हो गई जबकि तीन लोग घायल हो गए।

सदर थाना पुलिस से जांच अधिकारी एएसआई जगदीश चंद्र से मिली जानकारी के अनुसार मृतक 20 वर्षीय युवती राजदीप कौर सिरसा शहर में किसी दुकान पर काम करती थी। युवती बाइक सवार युवक से लिफ्ट लेकर जा रही थी। युवक एनएच-9 पर गलत दिशा में बाइक चला था। उसी दौरान कार और बाइक की आपस में टक्कर हो गई। युवक ने हेलमेट भी नहीं पहना था। युवती को गंभीर चोटें आई थी, जिससे उसकी मौत हो गई। हालांकि, युवती के परिजनों ने मामले में कुछ भी बताने से दूरी बनाई रखी। पुलिस को दी शिकायत में झिड़ी निवासी तरसेम ने बताया कि वह खेती-बाड़ी करता है। वह और जरनैल सिंह कार लेकर लडके की शादी के लिए फतेहाबाद गए थे। वहां से शादी में शामिल होने के बाद वह दोनों कार में सवार होकर फतेहाबाद से गांव झिड़ी जा रहे थे। तरसेम ने कहा कि जब वह सिरसा बाईपास पर एनएच-9 पर बरनाला रोड पुल के पास पहुंचे, तो एक बाइक सवार ने सामने से उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार महिला व युवक और गाड़ी में सवार हम दोनों को काफी चोटें आई। इसके बाद राहगीरों ने उन दोनों को इलाज के लिए सरकारी एंबुलेंस से नागरिक अस्पताल सिरसा में पहुंचाया। हादसे में बाइक और गाड़ी को काफी नुकसान हुआ। हादसे में घायल महिला रतिया के वार्ड नंबर-6 निवासी राजदीप कौर को गंभीर चोट के कारण डबवाली रोड स्थित निजी अस्पताल में दाखिल कराया है। जहां कुछ देर बाद महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद पुलिस शव को अपने कब्जे में लिया और नागरिक अस्पताल में पोस्टमॉर्टम हाउस में पहुंचाया। बृहस्पतिवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। फिलहाल बाइक सवार युवक का उपचार चल रहा है, उसे पांव में चोटें आई है।

छठे नवरात्र पर मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

इस्माईलाबाद, 03 अप्रैल। कस्बा व क्षेत्र के मंदिरों में मां दुर्गा के छठे नवरात्र पर मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सुबह से ही श्रद्धालुओं ने लाइन में लग मां दुर्गा के समक्ष दूध-दही, फल-फूल व प्रसाद चढ़ा कर मनोकामनाएं मांगी। गांव बालापुर में स्थित बाला सुंदरी मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने कतारों में लग मां दुर्गा के छठे स्वरूप मां कात्यायनी के दर्शन कर मनोकामनाएं मांगी। मंदिर के पुजारी शंभू गिरी ने बताया की मां दुर्गा के इस स्वरूप के दर्शन करने से कार्यों में आए विघ्न दूर होते है। सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है साथ ही मन में उत्पन्न ईर्ष्या व घृणा से छुटकारा मिलता है। उन्होंने कहा कि मंदिर में बने काली माता के मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा बकरी व भैंसे आदि भी भेंट स्वरूप दिए जाते है। इसके अलावा सप्तमी के दिन मंदिर में हवन यज्ञ का आयोजन कर भंडारा लगाया जाता है। दुर्गा अष्टमी के दिन मंदिर में विशाल मेले का आयोजन किया जाता है।

जमीन विवाद मामले में आत्मदाह का प्रयास करने वाले अशोक की मौत, प्रशासन की मौजूदगी में हुआ अंतिम संस्कार

-प्रशासन ने ली राहत की सांस, प्रशासन से मृतक के परिजनों ने की आर्थिक सहायता की मांग

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू । हाईकोर्ट के आदेश पर 31 मार्च को कब्जा छुड़वाने पहुंचे प्रशासन के सामने वहा मौजूद सतबीर व अशोक ने पेट्रोल छिडककर आत्मदाह का प्रयास किया था। इसके बाद गंभीर हालत में दोनों को पीजीआई रोहतक इलाज के लिए भर्ती करवाया गया था जहां इलाज के दौरान बुधवार देर सायं करीब 32 वर्षीय अशोक की मौत हो गई। मौत के सूचना के बाद कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए प्रशासन ने जगह-जगह नाकों पर पुलिस तैनात की थी। गुरुवार को मृतक अशोक का पोस्टमार्टम करवाकर उसके परिजनों को सौंपा गया और गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया गया। मृतक के अंतिम संस्कार के बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली है। मौके पर एसडीएम मनोज दलाल, डीएसपी भारत भूषण, थाना प्रभारी व शहर के गणमान्य लोग व मृतक के परिजन मौजूद रहे। कब्जाधारी पक्ष द्वारा प्रशासन के सामने आर्थिक सहायता की मांग रखी गई थी जिस पर एसडीएम मनोज दलाल की ओर से आश्वासन दिया गया जिसके बाद मृतक अशोक का अंतिम संस्कार

किया गया।

उल्लेखनीय है कि 31 मार्च को चौ. देवीलाल स्टेडियम के साथ लगती करीब 55 कनाल 10 मरला जमीन पर हाईकोर्ट के आदेश के बाद कब्जा कार्रवाई के लिए पहुंचे पुलिस व प्रशासन के समक्ष दो भाइयों द्वारा आग लगाकर आत्मदाह का प्रयास किया था। बुधवार को सायं अशोक ने पीजीआई में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया था। जिसके बाद जिला पुलिस प्रशासन किसी अनहोनी के अंदेशा के चलते अलर्ट मोड पर था। गुरुवार को मृतक अशोक का रोहतक पीजीआई में पोस्टमार्टम करवाया गया जिसके बाद शव को परिजनों के हवाले कर दिया गया। एक बार तो मामला बिगड़ा हुआ दिखाई दिया परंतु मौके पर मौजूद एसडीएम मनोज दलाल ने पीड़ित अशोक के परिजनों को समझाया और उनकी मांग को मानते हुए अंतिम संस्कार के लिए राजी किया। इसके बाद भारी पुलिस बल की मौजूदगी में मृतक अशोक का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

परिवार में छाया मातम, गम में बदली शादी की खुशियां

अशोक की मौत के बाद परिवार में मातम छा गया है। अशोक सतबीर का ममेरा भाई था तथा सतबीर की तीन बेटियों की शादी 7 अप्रैल को होनी है। तीनों बेटियों की बारात भी अलग अलग जगह से आनी है। ऐसे में परिवार में मातम पसर गया है तथा इस घटना से शादी की खुशियां गम में बदल गई है।

अशोक की हाल ही में शादी हुई थी। पत्नी के हाथों की मेहंदी अभी सूख ही नहीं पाई कि उसके पति की आत्मदाह प्रयास में मौत हो गई। अशोक की पत्नी पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पत्नी का रो रोकर बुरा हाल था। पत्नी की चीखें इस बात की गवाही दे रही थी कि जमीन विवाद ने उसके पति को छीन लिया।

एसडीएम मनोज दलाल ने बताया कि मृतक की परिजनों द्वारा आर्थिक सहायता की मांग की गई है। जिसके लिए मृतक के परिजनों को आश्वस्त किया गया है उनकी मांग को डीसी भिवानी के पास भेज दी जाएगी। वहीं उन्होंने मांग की है कि जमीन विवाद केस में न्याय की लड़ाई के लिए प्रशासन द्वारा सहयोग किया जाए और बेवजह परेशान न किया जाए। उन्होंने बताया कि उनको कानून के दायरे में कार्रवाई का भरोसा दिया गया है।

डीएसपी भारत भूषण ने बताया कि 31 मार्च को हाईकोर्ट के आदेश पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट एवं नायब तहसीलदार शेखर नरवाल की अगुवाई में कब्जा कार्रवाई करने पहुंचे थे। इस दौरान सतबीर और अशोक ने पेट्रोल ढिछडकर आत्मदाह का प्रयास किया था। जिसमें अशोक उम्र करीब 32 वर्ष की पीजीआई रोहतक में उपचार के दौरान मौत हो गई। गुरुवार को मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के हवाले कर दिया गया और शांतिपूर्ण माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि मामले में पुलिस की हर एक एंगल से तफ्तीश कर रही है। किसी के साथ अन्याय नहीं होगा कानून के दायरे में कार्रवाई की जा रही है।

विधायक कंवर सिंह यादव ने किया सतनाली अनाज मंडी में सरसों खरीद प्रक्रिया का निरीक्षण, अधिकारियों को दिए निर्देश

फसल खरीद के दौरान किसान व व्यापारी को नहीं होनी चाहिए कोई परेशानी, समय पर खरीद की गई फसल का उठान भी हो सुनिश्चित: विधायक

हरियाणा वाटिका/अमित वालिया

सतनाली, 03 अप्रैल। विधायक कंवर सिंह यादव ने वीरवार को सतनाली अनाज मंडी का निरीक्षण कर सरसों की सरकारी खरीद प्रक्रिया का जायजा लिया। इस दौरान विधायक कंवर सिंह यादव ने एसडीएम व संबंधित अधिकारियों का निर्देश दिए कि अनाज मंडी में आने वाली किसान की फसल के एक एक दाने की खरीद सुनिश्चित की जाए तथा अनाज मंडी में आने वाले किसानों को फसल बेचने व खरीद प्रक्रिया में व्यापारियों को किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं आनी चाहिए। खरीद अधिकारी व्यापारी व किसान से तालमेल बनाकर खरीद प्रक्रिया को सुचारू रूप से जारी रखे। उन्होंने अनाज मंडी में बिजली, पानी, शौचालय आदि की व्यवस्था बारे भी निर्देश दिए। खरीद प्रक्रिया में लगे अधिकारियों को निर्देश देते हुए कंवर सिंह यादव ने कहा कि किसान की खरीदी गई फसल की उठान प्रक्रिया भी दुरुस्त होनी चाहिए तथा समय पर फसल का उठान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि सरसों की सरकारी खरीद बिल्कुल पारदर्शी ढंग से होनी चाहिए, खरीद प्रक्रिया में किसी प्रकार की कोई अनियमितता नहीं होनी चाहिए।

यदि खरीद प्रक्रिया में कोई परेशानी आती है या कोई दिक्कत आती है तो उनके संज्ञान में लाया जाए। उन्होंने किसानों से भी अनुरोध किया कि वे अपनी फसल को साफ सुथरा करके लाए और सुखाकर लाएं ताकि उन्हें फसल बेचने में कोई परेशानी ना हो। इस दौरान विधायक कंवर सिंह यादव ने किसानों एवं आढ़तियों की समस्याओं को भी सुना और सम्बंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। किसानों को आश्वस्त करते हुए विधायक ने कहा कि मंडी में फसल बिक्री में कोई समस्या आड़े नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने किसानों से सरसों सुखाकर मंडी में लाने का भी आह्वान किया ताकि खरीद एजेंसियों को कोई परेशानी न हो। उन्होंने अनाज मंडी में बिजली और पानी की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया और विधायक ने आढ़तियों की समस्याओं को भी सुनकर उनके तुरंत समाधान के लिए एसडीएम को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खरीद कार्य के साथ-साथ उठान का कार्य भी सुचारू रूप से रहे ताकि मंडी में खरीद कार्य निर्बाध रूप से चलता रहे। इस अवसर पर भागीरथ सिंह शेखावत, सवाई सिंह राठौड़, दिवान सिंह शेखावत सहित अनेक कार्यकर्ता व संबंधित विभागों के अधिकारी, किसान तथा आढ़ती मौजूद रहे।

विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि सतनाली क्षेत्र की सभी मांगों व समस्याओं के समाधान के लिए वे हर समय तैयार है। इसके अलावा महेंद्रगढ़ हलके की अधूरी परियोजनाओं को सिरें चढ़ाकर विकास के मामले में हलके को अग्रणी बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। इस दौरान विधायक ने जन समस्याएं भी सुनी तथा उनके निदान के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर निर्देश दिए। कंवर सिंह यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता ने जिस तरह से भाजपा में विश्वास जताकर लगातार तीसरी बार सरकार बनाई है, उसी जोश व उत्साह के साथ हलके में समान रूप से विकास कार्य कराए जाऐंगे। हलके की सभी मांगों की सरकार के समक्ष जोरदार ढंग से पैरवी की जाएगी।

मांगों को लेकर रोडवेज कर्मियों ने की भूख हड़ताल

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 03 अप्रैल। रोडवेज कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर भूख हड़ताल की। वहीं, बस स्टैंड परिसर में धरना देकर सरकार के खिलाफ जम कर नारेबाजी भी की। इस दौरान कहा कि अगर कर्मचारियों की मागों को जल्द पूरा नहीं किया या तो वे सख्त कदम उठाएंगे। आल हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन के डिपो प्रधान नरेंद्र पांचाल एवं प्रदेश प्रेस प्रवक्ता व सचिव रंजीत करोड़ा ने कहा कि जबसे भाजपा की सरकार बनी है, तबसे कर्मचारियों की मांगों को अनदेखा किया जा रहा

है। आज इलेक्ट्रानिक बसों के नाम पर रोडवेज विभाग पर भारी बोझ डाला जा रहा है। रोडवेज के अंदर साधारण बसें लाई जाएं। जिसके तहत 10 हजार बसों पर 55 हजार लोगों को रोजगार मिल सके और एक बेहतर सुविधा मिल सके। किलोमीटर स्कीम की बसें आए दिन दुर्घटनाएं कर रही हैं। जिससे जनता को नुकसान होता है और रोडवेज विभाग की बदनामी होती है। रोडवेज कर्मचारियों की मंत्री ने पिछले दिनों मांग मान ली थी, लेकिन सरकार उन्हें लागू नहीं कर रही। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों का ओवर टाइम बंद कर दिया। वहीं छुट्टियां काट ली। ऊपर से हर रोज सरकार नए-नए फरमान जारी कर रही है। आज चालक-परिचालक व क्लर्क का जो वेतनमान है, वह बिल्कुल नाममात्र का रह गया है।

सत्संग में गए महिला व बच्चे लापता

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 03 अप्रैल। शहर के कल्याण नगर क्षेत्र से डेरे में सत्संग सुनने के लिए गई महिला व दो बच्चे संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। पुलिस को दी शिकायत में महिला के पति ने बताया कि बीती 26 मार्च को उसकी पत्नी दोनों बच्चों के साथ डेरे में सत्संग सुनने के लिए गए थे, लेकिन उसके बाद से वापस नहीं लौटे। उन्होंने अपने स्तर पर आस पड़ोस व रिश्तेदारी में उनकी काफी तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

आंगनवाड़ी सेंटर से सोलर प्लेट चोरी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 03 अप्रैल। गांव केलनियां स्थित आंगनवाड़ी केंद्र से चोर सोलर सिस्टम की प्लेटें चोरी कर ले गए।

पुलिस को दी शिकायत में ग्राम सरपंच अंजुबाला ने बताया कि गांव में स्थित आंगनवाड़ी केंद्र पर सोलर सिस्टम लगा हुआ था। बीत 1 अप्रेल को स्टाफ सदस्य कमरा बंदकर घर चले गए। देर रात्रि को चोरों ने वहां लगे सोलर सिस्टम की हजारों रुपए की प्लेटें चोरी कर ली। सुबह स्टाफ सदस्यों को इसका पता चला तो पंचायत को इस बारे में बताया। उन्होंने अपने स्तर पर आस पड़ोस के लोगों से भी पूछताछ की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बंद पड़े मकान से नकदी व आभूषण चोरी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 03 अप्रैल। गांव माधोसिंघाना में दिन दहाड़े एक बंद पड़े मकान से चोर 10 हजार रुपए की नकदी सहित आभूषण व सामान चोरी कर ले गए।

पुलिस को दी शिकायत में मकान मालिक जाकिर हुसैन ने बताया कि बीती 2 अप्रेल की सुबह वह परिवार सहित शादी में गया हुआ था। इसी का फायदा उठाकर चोर घर में घुसकर अलमारी से 10 हजार रुपए की नकदी, एक जोड़ी चांदी की पाजेब व एक गैस सिलेंडर चोरी कर ले गए। शाम को जब वे घर लौटे तो उन्हें घटना का पता चला। अंदर जाकर देखा तो कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। सामान संभाला तो उपरोक्त सामान गायब था। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा, जिसपर पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

रेलवे स्टेशन से बाइक चोरी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 03 अप्रैल। रेलवे स्टेशन पर अपने बेटे को छोड? गए व्यक्ति की बाइक चोरी हो गई।

पुलिस को दी शिकायत में अग्रसेन कॉलोनी निवासी महेश कुमार भारती ने बताया कि बुधवार शाम को वह अपने बेटे को स्टेशन पर छोड? के लिए गया था। बाइक रेलवे कॉलोनी की ओर खड़ी कर वह स्टेशन पर चला गया। कुछ देर बाद आया तो बाइक गायब मिली। उन्होंने अपने स्तर पर काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

दो सोलर पंपों के स्टार्टर चोरी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 03 अप्रैल। गांव सूरतिया में चोर दो किसानों के खेतों से सोलर के स्टार्टर चोरी कर ले गए।

पुलिस को दी शिकायत में किसान किशन सिंह ने बताया कि उसने अपने खेतों में सोलर सिस्टम लगाया हुआ है। बीती 1 अप्रेल की शाम को वह खेतों से घर आ गया। देर रात्रि को चोरों ने खेतों में घुसकर सोलर का स्टार्टर चोरी कर लिया। यही नहीं चोरों ने साथ लगते किसान गुरपाल सिंह के खेतों में लगे सोलर का भी स्टार्टर चोरी कर लिया। सुबह जब वे खेतों में गए तो उन्हें घटना का पता चला। उन्होंने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

ईदगाह के समीप महिला पर हमला

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 03 अप्रैल। शहर में ईदगाह के समीप एक महिला पर तेजधार हथियार से हमला कर घायल कर दिया गया। महिला को सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। अभी महिला सिविल अस्पताल में उपचाराधीन है।

पुलिस को दी शिकायत में रितू ने बताया कि वह वार्ड नंबर 28 के बाजीगर बस्ती हैफेड रोड ईदगाह एरिया की रहने वाली है। वह अपने घर पर थी। उसी दौरान गली में एक गड्ढे को लेकर बस्ती से सतनाम उसके साथ बहस करने लगा और बाद में झगड़ा करने पर उतर आया। उनकी आपस में कहासुनी हो गई और उसके सिर पर तेजधार हथियार से वार कर फरार हो गया। इसके बाद डायल 112 को मौके पर बुलाया और उसे उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया। इसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। इस मामले में शहर थाना पुलिस ने आरोपी बाजीगर बस्ती निवासी सतनाम सिंह पर केस दर्ज कर लिया है।

सिलाई उद्योग की आज भी प्रासंगिकता बरकरार: ग्रोवर

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 03 अप्रैल। सीएमके नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग ने विद्यार्थियों के लिए सिलाई मशीन के प्रचलन, तकनीक उसके महत्व के संबंध में एक कार्यशाला लगाई।

महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. रंजना ग्रोवर ने कहा कि सिलाई मशीन सदियों से मनुष्य की बहुमूल्य साथी रही है, युग बदलें परंतु इनका महत्व कभी कम नहीं हुआ। आज भी सिलाई उद्योग जगत अपना महत्व व उपयोगिता को कायम रखें हुए है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को भी विशेषकर छात्राओं को सिलाई के कार्य अवश्य सीखनें चाहिए। यह एक गुण हैं जो भविष्य में व्यवसाय भी बनाया जा सकता है। इस कार्यशाला में उषा मशीन के तकनीकी जानकार मुकेश ने विद्यार्थियों को मशीन के प्रचलन व तकनीकी पहलुओं व प्रशिक्षण पर विस्तार से प्रकाश डाला व मशीन के विभिन्न प्रकार के उद्देश्य, उपयोग पर चर्चा की और बताया कि किस प्रकार मशीन की सहायता से हम अनेकों कार्य कर सकते हैं। इस अवसर पर गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. अनु कथुरिया, लैब सहायक निशा ने सिलाई मशीन के प्रचलन, तकनीक, उपयोग पर विद्यार्थियों को प्रेरक संदेश देते हुए इस उपयोग को बढ़ावा देने की बात कही।

फोटो विवरण:03सिरसा02: कॉलेज में कार्यशाला के दौरान छात्राओं को सिलाई मशीन के प्रचलन व तकनीकी पहलुओं के बारे में बताते हुए।

आशा वर्कर्स यूनियन की जिला प्रधान बनी मनजीत

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 03 अप्रैल। आशा वर्कर्स यूनियन हरियाणा संबंधित सीटू एवं सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा का त्रिवार्षिक प्रतिनिधि जिला सम्मेलन जाट धर्मशाला कुरूक्षेत्र में संपन्न हुआ। सम्मेलन से पहले संगठन का झंडा पिंकी ने फहराया व बाद में सभी ने शहीद बेदी पर पुष्प अर्पित किए। सम्मेलन का उद्घाटन सीटू जिला वरिष्ठ नेता महावीर प्रसाद दहिया ने किया और संचालन सीटू जिला सचिव अनिल कुमार ने किया। सीटू सहसचिव रोशन लाल, उपप्रधान सुनील रत्न ने बधाई संदेश देते हुए सम्मेलन में आई हुई आशा वर्कर्स को संबोधित किया। पिछले 3 साल के काम की प्रस्तावित रिपोर्ट पिंकी ने रखी एवं वित रिपोर्ट कोषाध्यक्ष उषा ने प्रस्तुत की। सम्मेलन में सर्वसम्मति से मनजीत को जिला अध्यक्ष, उषा को कोषाध्यक्ष एवं पिंकी को जिला सचिव समेत 21 सदस्यीय कमेटी का चुनाव किया गया। नवनियुक्त प्रधान मनजीत ने आए हुए सभी साथियों का धन्यवाद किया।

संपादक की कलम से

तकनीक के तनाव : मोबाइल पर जुआ?

नई तकनीक के आगमन से अनेक लाभ मिल सकते हैं, यदि समुचित सावधानियां न बरती जाएं तो कई तरह की गंभीर क्षति भी हो सकती है। मोबाइल फोन से बहुत सी सुविधाएं प्राप्त होती हैं, अनेक लाभ हैं, पर इसे कई तरह के जुए के खेल का माध्यम भी बनाया जा रहा है। ताश ही नहीं, लूडो और क्रिकेट जैसे लोकप्रिय खेलों को भी ऐसा रूप दिया जा रहा है जो जुए के विभिन्न रूप ही हैं।

डिजिटल इंडिया फाऊंडेशन' की एक हाल की रिपार्ट के अनुसार भारत में 'आनलाईन गैंबलिंग' या जुआ बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे डिजिटल प्लेटफार्म पर तीन महीनों में 160 करोड़ विजिट दर्ज किए गए हैं। सरकार द्वारा इसे रोकने या नियंत्रित करने के तमाम प्रयासों के बावजूद अनेक अवैध कारोबारी अपनी गतिविधियां इस दिशा में बढ़ा रहे हैं। इसका समाज, विशेषकर युवाओं और बच्चों पर बहुत प्रतिकूल असर पड़ा है।

'द लांसेट' पत्रिका में प्रकाशित रिचर्ड आरमिटेंड के अध्ययन के अनुसार, आनलाईन जुए का बच्चों के मानसिक, भावनात्मक तथा सामाजिक स्वास्थ्य और स्कूली उपलब्धि पर बहुत प्रतिकूल असर पड़ता है। नतीजे में उनकी अनेक लतों में फंसने की संभावना बढ़ती है। नई तकनीक के आगमन से अनेक लाभ मिल सकते हैं, यदि समुचित सावधानियां न बरती जाएं तो कई तरह की गंभीर क्षति भी हो सकती है। मोबाइल फोन से बहुत सी सुविधाएं प्राप्त होती हैं, अनेक लाभ हैं, पर इसे कई तरह के जुए के खेल का माध्यम भी बनाया जा रहा है। ताश ही नहीं, लूडो और क्रिकेट जैसे लोकप्रिय खेलों को भी ऐसा रूप दिया जा रहा है जो जुए के विभिन्न रूप ही हैं।

इस नए तरह के जुए के जाल में अनेक किशोर व युवा फंसते चले जा रहे हैं। यहां तक कि दूर-दूर के गांवों में भी ऐसा हो रहा है। इस तरह के जुए में एक बार पैसे हारने के बाद इन किशोरों या युवकों में यह गहरी इच्छा रहती है कि कम-से-कम जो गंवाया है उतना तो वापस कर लिया जाए। इस उम्मीद में वे और पैसे लगाते हैं, पर प्रायः उनका घाटा बढ़ता ही जाता है। इस कारण वे बहुत तनावग्रस्त हो जाते हैं और कभी-कभी तो अपने घर-परिवार से ही कुछ पैसा इधर-उधर कर जुए में डुबोते हैं। कई बार तो बच्चे भी इस जाल में फंस जाते हैं। हालांकि इसके लिए एक खास आयु वर्ग को ही अनुमति दी जाती है, पर कई बार इसका उल्लंघन किसी-न-किसी तिकड़म से किया जाता है।

इस कारण अनेक बच्चों का ध्यान न केवल अपनी पढ़ाई-लिखाई से हट जाता है, अपितु वे अनेक तरह के तनावों का शिकार भी हो जाते हैं और जो उम्र अच्छे जीवन के लिए तैयारी की होती है, उसी में वे बबार्दी की ओर बढ़ने लगते हैं। यदि उन पर शक कर घर-परिवार के बड़े लोग उन्हें रोकते हैं या कुछ कहते हैं तो किशोर बहुत जल्दी तनावग्रस्त हो जाते हैं व उल्टी-सीधी कहने लगते हैं। इस कारण अनेक माता-पिता बहुत परेशान रहते हैं। एक महिला ने तो यहां तक कहा कि अपने बड़े हो रहे बच्चे की इस लत से वह इतनी परेशान हो गई हैं कि उसने दस हजार रुपए का मोबाइल ही गुस्से में तोड़ दिया, पर बच्चे ने फिर भी पूरी तरह इस आदत को छोड़ा नहीं।

हाल ही में जब यह लेखक बुंदेलखंड क्षेत्र की अनेक महिलाओं से नशे को कम करने के उपायों पर बातचीत कर रहा था, तो उन्होंने कहा कि नशा करने का अभियान आप अवश्य चलाएं, पर उसके साथ जुए को कम करने के प्रयासों को भी जोड़ लीजिए। इस बारे में कुछ और पूछताछ करने पर पता चला कि कई बार जुए के खेल में झगड़े, गाली-गलौच, धमकियों की स्थिति भी आ जाती है। किसी गांव में बैठा अबोध किशोर इसके बारे में किसी को चाहे न बताए, पर अंदर-ही-अंदर उसके तनाव बढ़ते जाते हैं और उसे अन्य भीषण स्थिति की ओर भी ले जाते हैं। इस तरह के अनुभवों से गुजर चुके कुछ लोगों ने बताया कि शायद कुछ वयस्क लोग इस तरह की लत में अपना संतुलन बनाए रखते हों, पर जो किशोर व कच्ची उम्र के युवा हैं, उनका संतुलन प्रायः बिगड़ जाता है।

इसके अतिरिक्त ऐसे अनुभवों से गुजर चुके कुछ व्यक्तियों का कहना है कि केवल जुए वाले 'ऑन लाइन' खेलों के कारण ही तनाव की समस्या नहीं है। कुछ ऐसे खेल भी हैं जो जुए से न जुड़े होने के बावजूद तनाव व हिंसा का कारण बनते हैं। इन खेलों में बुरी तरह लीन होने या लत पड़ने के कारण अनेक बच्चों व किशोरों के मस्तिष्क का संतुलन बिगड़ जाता है। इस बारे में कुछ महिलाओं ने बताया कि उन्होंने अपने आसपास ही यह होते हुए देखा है।

इसके अतिरिक्त कुछ लोगों ने यह शिकायत भी की है कि मोबाइल पर अश्लील चित्र या वीडियो बहुत अधिक देखने के कारण भी अनेक समस्याएं बढ़ रही हैं। बच्चे व किशोर अनेक तनावों व ऐसी सोच से त्रस्त हो रहे हैं, जिसे ठीक से समझने के लिए वे कच्ची उम्र में मानसिक व शारीरिक तौर पर तैयार ही नहीं हैं। इस कारण महिला-विरोधी यौन हिंसा दूर-दराज के गांवों में भी बढ़ सकती है। इस तरह की विभिन्न समस्याएं हाथ से बाहर निकल जाएं, इससे पहले इन्हें न्यूनतम करने की सभी संभावनाओं पर भली-भांति विचार करते हुए उचित उपाय निकालने चाहिए व इसके आधार पर एक अभियान द्वारा इन सभी खतरनाक संभावनाओं व क्षतियों को न्यूनतम करना चाहिए।

डॉ. अंबेडकर और डॉ. हेडगेवार: भारत और हिंदू समाज के लिए एक जैसी चिंता

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

डॉ. अंबेडकर और डॉ. हेडगेवार में हिंदुओं को एकजुट कर राष्ट्र गौरव को पुनर्स्थापित करने के लिए अस्पृश्यता और जातिगत भेदभाव को समाप्त करने की दृष्टि थी। यद्यपि उनके रास्ते अलग-अलग थे लेकिन राष्ट्र-प्रथम के दृष्टिकोण और हिंदू और अन्य संस्कृतियों के गहन परीक्षण ने उन्हें यह एहसास दिलाया कि केवल हिंदू एकता ही महान भारत का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। जब डॉ. अंबेडकर ने आरएसएस शाखा का दौरा किया तो उन्होंने देखा कि कोई भी जाति के बारे में बात नहीं करता और सभी स्वाभाविक मित्र या भाई हैं और उनके साथ समान व्यवहार किया जाता है। अपनी स्थापना के बाद से आरएसएस ने कभी जाति के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं किया। संघ के स्वयंसेवक हमेशा "समता", "ममता" और "समरसता" में विश्वास करते हैं, जो भौतिक और भावनात्मक रूप से अपनेपन की भावना से जुड़े हैं। आरएसएस ने सत्य का प्रचार करके और इसे जमीनी स्तर पर लागू कर-के हमारे समाज में अस्पृश्यता और जातिगत भेदभाव को दूर करने के लिए बड़े प्रयास किए हैं। 100 वर्षों से आरएसएस और संबद्ध संस्थानों और संगठनों ने समाज के प्रत्येक वर्ग को प्यार और करुणा के साथ ऊपर उठाने का काम किया है। विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जमीन पर किए गए प्रयास प्रभावशाली हैं। आरएसएस के दो संगठन, वनवासी कल्याण आश्रम और सेवा भारती, एससी, एसटी, ओबीसी और अन्य जनजातियों के जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास करते हैं और गरीब और हाशिए पर पड़े लोगों के उत्थान के लिए अपनेपन और स्नेह के साथ सेवा करने का सबसे अच्छा उदाहरण हैं।

अंबेडकर, दत्तोपंत ठेंगड़ी और आरएसएस

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के अनुसूचित जाति महासंघ के दलित नेताओं के एक समूह ने एक बार उनसे पूछा कि उन्होंने ब्राह्मण दत्तोपंत ठेंगड़ी को महासंघ का महासचिव क्यों बनाया है। जब बाबा साहब ने यह सुना तो उन्होंने कहा, "जिस दिन

तुममें से कोई भी ठेंगड़ी से बड़ा दलित बन जाएगा, मैं तुम्हें महासंघ का महासचिव बना दूंगा।" ये कथन दत्तोपंत ठेंगड़ी पर उनके विश्वास को दशार्ते हैं, जो संघ प्रचारक और बीएमएस के अध्यक्ष थे और जिन्होंने 1952 से 1956 तक उनके साथ मिलकर काम किया था। श्री ठेंगड़ी ने इस बात पर जोर दिया कि बाबा साहब द्वारा अस्पृश्यता को समाप्त करने के प्रयासों का उद्देश्य एकता के माध्यम से हिंदू समाज को मजबूत करना था। तथाकथित अछूत हिंदू समाज का एक महत्वपूर्ण तत्व हैं। परिणामस्वरूप, अस्पृश्यता का उन्मूलन एक राष्ट्रीय मुद्दा है।

बाबा साहब आरएसएस के बारे में पूरी तरह से जानकार थे। 1935 में उन्होंने पुणे में महाराष्ट्र के पहले आरएसएस संघ शिक्षा वर्ग का दौरा किया। तब उनकी मुलाकात डॉ. हेडगेवार से हुई। बाबासाहेब एक निजी यात्रा पर दापोली गए थे। फिर वे स्थानीय संघ शाखा में गए और स्वयंसेवकों से खुलकर चर्चा की। 1939 में बाबासाहेब ने पुणे में संघ शिक्षा वर्ग का दौरा किया और डॉ. हेडगेवार के साथ स्वयंसेवकों से बातचीत की। महात्मा गांधी की हत्या के बाद आरएसएस पर लगे गैरकानूनी प्रतिबंध को खत्म करने में भी बाबासाहेब ने अहम भूमिका निभाई थी। सितंबर 1949 में श्री गुरुजी ने औपचारिक रूप से उनके समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। ('स्रोतः डॉ. अंबेडकर और सामाजिक क्रांति की यात्रा', लोकहित प्रकाशन, लखनऊ द्वारा प्रकाशित)

सरसंघचालकों के विचार और कार्य डॉ. अंबेडकर के विचारों से कैसे मेल खाते थे?

तीसरे सरसंघचालक बालासाहेब देवरस जी ने अस्पृश्यता के बारे में क्या कहा- अगर जाति व्यवस्था और अस्पृश्यता को खत्म करना है तो उन लोगों में बदलाव लाना होगा जो उनमें विश्वास करते हैं। ऐसे लोगों पर हमला करने या उनका मुकाबला करने के बजाय दूसरा विकल्प हो सकता है। मुझे संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार के साथ काम करने का सौभाग्य मिला। वे कहते थे, "हमें अस्पृश्यता को मानने या उसका पालन करने की जरूरत नहीं है।" इसी आधार पर उन्होंने संघ की शाखाएँ बनाईं, जो पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों का संग्रह है। उस समय भी ऐसे लोग थे जो विपरीत विचारधारा रखते थे। हालांकि, डॉ. हेडगेवार को भरोसा था कि वे आज नहीं तो कल उनके विचारों से सहमत होंगे। नतीजतन, उन्होंने इस बारे में कोई विरोध नहीं किया, किसी के साथ लड़ाई नहीं की या किसी के न मानने पर कोई नकारात्मक कार्रवाई नहीं की। क्योंकि उन्हें भरोसा था कि सामने वाले व्यक्ति के इरादे भी अच्छे थे। कुछ गलत अवधारणाओं और आदतों के कारण, वह पहले तो आशंकित हो सकता है लेकिन पर्याप्त समय के साथ, वह निश्चित रूप से अपनी गलतियों से सीख लेगा। शुरूआती दिनों में संघ के एक शिविर में कुछ भाई अपने अनुसूचित जाति समुदाय के भाइयों के साथ भोजन करने में झिझकते थे। डॉ. हेडगेवार ने नियमों के बारे में नहीं बताया और न ही उन्हें शिविर से बाहर निकाला। अन्य स्वयंसेवक, डॉ. हेडगेवार और मैं दोपहर के भोजन के लिए एक साथ बैठे। जो झिझक रहे थे, वे अलग बैठे। हालाँकि, दूसरे दोपहर के भोजन के दौरान वही भाई हमारे पास आए और हम सभी के साथ बैठ गए। (बाला साहेब देवरस जी, पुणे वसंत व्याख्यानमाला 1974)

आरएसएस, द्वितीय सरसंघचालक गुरुजी की वीएचपी सम्मेलन में सबसे बड़ी उपलब्धि उपस्थित लोगों को वर्णाश्रम या जाति व्यवस्था को अस्वीकार करने के लिए राजी करना था और सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करना था- हिंदवाः सोदराः सर्वे, न हिंदू पतितो भवेत (सभी हिंदू एक ही गर्भ (भारत माता) से पैदा हुए हैं।) नतीजतन, वे एक हैं और किसी भी हिंदू को अछूत नहीं कहा जाना चाहिए। यह सबसे महत्वपूर्ण सुधारवादी अभियान था जिसकी कोई कल्पना कर सकता था क्योंकि हस्ताक्षरकताओं में सभी शंकराचार्य शामिल थे जो जाति व्यवस्था में कट्टर विश्वास रखते थे। ऐसे व्यक्ति पर 'ब्राह्मणवादी आधिपत्य' थोपने का आरोप लगाना या तो गलत आलोचना है या जानबूझकर किया गया अपप्रचार है।

डॉ. आंबेडकर और हिंदू धर्म

प्रसिद्ध राष्ट्रवादी और गतिशील व्यक्तित्व वाले डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर सभी राष्ट्रीय मुद्दों पर मुखर थे। इस तथ्य के बावजूद कि कम्युनिस्टों और अन्य राजनीतिक ताकतों ने उन्हें हिंदू धर्म के विरोधी के रूप में प्रस्तुत किया है। हालांकि, उन्होंने देश के इतिहास का तिरस्कार नहीं किया बल्कि उन्होंने उस समय मौजूद अंधविश्वासी संस्कृति और व्यापक जातिगत भेदभाव का तिरस्कार किया। उन्होंने अपनी पुस्तक 'रिडल्स ऑफ हिंदूइज्म' में यहां तक कहा कि, जहां पश्चिम का मानना है कि उन्होंने लोकतंत्र की स्थापना की, वहीं हिंदू 'वेदांत' में उसी की अधिक प्रमुख और स्पष्ट बातें हैं, जो किसी भी पश्चिमी अवधारणा से पुरानी है।

बाबासाहेब हिंदू विरोधी नहीं थे लेकिन वे हिंदू धर्म की कई कुप्रथाओं और भेदभावपूर्ण मानदंडों के विरोधी थे। अगर उन्हें हिंदू धर्म से घृणा होती तो वे इसे और कमजोर करने के लिए इस्लाम या ईसाई धर्म अपना लेते। हालांकि, उन्होंने बौद्ध धर्म को चुना क्योंकि इसके विचार हिंदू धर्म के विचारों के बेहद करीब हैं। हिंदू धर्म के कई दुश्मन उनके हिंदू धर्म विरोधी बयानों की ओर इशारा करते हैं लेकिन हमें याद रखना चाहिए कि वे उस समय की प्रतिक्रियाएँ थीं और प्रतिक्रियाएँ क्षणिक भावनाएँ होती हैं जो किसी के चरित्र या संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं को स्थापित नहीं कर सकती हैं।

अधिकांश प्रतिक्रियाएँ कुछ प्रथाओं पर आक्रोश से प्रेरित थीं इसलिए यह दावा करना कि वह हिंदू विरोधी थे, छोटी मानसिकता दिखाता है। हम सकारात्मक बदलाव को प्रभावित करने के लिए अपने परिवार के सदस्यों के लिए प्यार से कठोर शब्दों का प्रयोग करते हैं, जैसा कि डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने किया था। उस समय उनकी लोकप्रियता और प्रमुखता ने उन्हें हिंदुओं और भारत को बहुत नुकसान पहुँचाने में सक्षम बनाया था लेकिन वह एक देशभक्त थे जो सच्चाई से परिचित थे। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि अगर उन्होंने ईसाई धर्म या इस्लाम अपना लिया होता तो क्या परिणाम होते? उन्होंने देखा कि हर धर्म और विचारधारा में दोष होते हैं जिन्हें संबोधित करने और सुधारने की आवश्यकता होती है। उन्हें उम्मीद थी कि हिंदू सामाजिक असमानता को मिटाने के लिए कदम उठाएँगे, इसलिए उन्होंने हिंदू नेताओं को सुधारात्मक उपायों को लागू करने के लिए समय सीमा तय की। हालाँकि, हिंदुओं के बीच लगातार जातिगत अलगाव, मुगलों और अंग्रेजों द्वारा फैलाई गई गुलामी की मानसिकता के साथ मिलकर हिंदुओं के लिए सामाजिक असमानता के इस मुद्दे को हल करना असंभव बना दिया। डॉक्टर अंबेडकर जानते थे कि कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों द्वारा खड़ी की गई बाधाएँ भी हिंदुओं के पतन में योगदान दे रही थीं।

डॉ. अंबेडकर और डॉ. हेडगेवार ऐसे प्रतीक हैं जिनके दर्शन की आवश्यकता न केवल हमारे राष्ट्र को है बल्कि पूरे विश्व को है। एकता की शक्ति ही समाज और सीमाओं के पार शांति ला सकती है।

इन दो महान असाधारण डॉक्टरों के दर्शन के अनुसार एकता के मार्ग पर चलने से मानवता का बहुत भला होगा। आइए हम मानवता के मार्ग में आने वाली सभी बाधाओं को दूर करने के लिए एक साथ आगे बढ़ें और भारतीयता के मूल्यों का उपयोग करके राष्ट्र का सामाजिक-आर्थिक निर्माण करें ताकि हमारे राष्ट्र की महानता को पुनः स्थापित किया जा सके। दो डॉक्टरों के आदर्श भारत और पूरे विश्व में महानता का मार्ग प्रशस्त करेंगे। इस विचारधारा से प्रभावित एकजुट हिंदू धर्म, जाति या पंथ की परवाह किए बिना सभी के साथ अद्भुत संबंध और बंधन बनाएगा। आइए हम इन महान नेताओं के पदचिह्नों पर चलें और अपने देश और दुनिया को अधिक स्वस्थ, अधिक शांतिपूर्ण और समृद्ध बनाएं। मानवता के दोनों डॉक्टरों को प्रणाम।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सोनिया के उठाये मुद्दों पर ध्यान दे सरकार!

क्रांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा की सदस्य सोनिया गांधी ने एक लेख में केन्द्र सरकार की उसकी शिक्षा नीति को लेकर जमकर घेराबन्दी की है। उनका आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बिना पर्याप्त विचार-विमर्श के और अपने राजनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने के मकसद से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 जनता पर थोप रही है। अंग्रेजी अखबार द हिंदू में प्रकाशित होने के बाद जमकर चर्चा में आये इस लेख में सोनिया गांधी ने इस बात की आलोचना की है कि भाजपा सरकार ने 'सी 3' (केंद्रीकरण- सेंट्रलाइजेशन, व्यावसायीकरण- कमर्शिलाइजेशन और सांप्रदायिकता- कम्युनलिज्म.) के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने का साधन नई शिक्षा नीति (एनईपी) को बनाया है। इस लेख में वैसे तो कांग्रेस नेत्री ने अनेक महत्वपूर्ण मुद्दे उठाये हैं परन्तु इसका मुख्य फोकस शिक्षा प्रणाली के वे आयाम हैं जो देश के लिये विनाशकारी साबित होंगे। उन्होंने एनईपी में अनेक खामियां गिनाते हुए कहा कि यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचारों को पूरा करने के लिये बनाई गई है।

शिक्षा किसी भी समाज के विकास की बुनियाद होती है। सोनियाजी के इस लेख में एनईपी से उत्पन्न होने वाले खतरे तथा उनकी चिंताएं साफ झलकती हैं जो इस बात का भी आभास कराती हैं कि इस शिक्षा प्रणाली की राह पर चलकर बनने वाला समाज व देश कैसा होगा। इस लेख में सरकार की शिक्षा के प्रति बरती जाने वाली उदासीनता तथा नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों से चल रही सरकार की सायास फैलाई जा रही बदइंतजामी के चलते बड़ी तादाद में बन्द होते स्कूल, सरकार के विचारों का समर्थन न करने वाले शिक्षाविदों तथा शिक्षकों के साथ होता भेदभावपूर्ण व्यवहार आदि की ओर तो ध्यान दिलाया ही गया है, सोनिया गांधी ने विस्तार से स्पष्ट किया है कि ' 3 सी' का एजेंडा मोदी सरकार किस प्रकार से लागू कर रही है और उसके दुष्परिणाम क्या हो रहे हैं। यही एक तरह से उनकी शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा का निष्कर्ष है जो हर उस नागरिक को परेशान करने के लिये काफी होना चाहिये जो मुल्क की बेहतरी की सोचता हो। नई शिक्षा प्रणाली के नाम पर बच्चों को जिस प्रकार से ढाला जायेगा और उनके जो हालात होंगे, उसकी ओर साफ इशारा सोनिया गांधी के लेख में है।

मुख्यतः जिस '3 सी' का उन्होंने अपने लेख में जिक्र किया है, उसके पहले 'सी' यानी केन्द्रीकरण के बारे में बात की जाये तो यह तो साफ है कि यह सरकार समाज के हर संसाधन व अवसरों पर एकाधिकार कर रही है। इनमें शिक्षा व्यवस्था भी है। लेख में कहा गया है कि वैसे तो शिक्षा समवर्ती सूची में शामिल है, यानी वह केन्द्र व राज्य दोनों का ही विषय है, लेकिन इस महत्वपूर्ण मसले पर केन्द्र सरकार न तो राज्यों से चर्चा करती है और न ही वह विशेषज्ञों से सलाह-मशविरा लेती है। वह इस मामले में अपनी मर्जी तो थोपती है बल्कि उसका रवैया 'धमकी भरा' भी होता है। उन्होंने इस मामले में तमिलनाडु के साथ केन्द्र द्वारा राज्यों पर हिन्दी को थोपने की कोशिशों की ओर भी ध्यान दिलाया है।

दूसरे 'सी' यानी व्यवसायीकरण की बात करें तो यह पहले ही साफ दिख रहा है कि मोदी सरकार शिक्षा को इतनी महंगी कर देने पर आमादा है कि वह सामान्य लोगों की पहुंच से बाहर हो जाये। इसके कारण देश में वर्गभेद और भी बढ़ेगा। थोड़े से लोग ही इस शिक्षा को पाने का खर्च वहन कर सकेंगे जबकि अधिसंख्य जनता स्कूल-कॉलेजों का खर्च वहन नहीं कर सकेगी। शासकीय व सस्ती शिक्षा की बजाय निजी व महंगी शिक्षा के प्रति सरकार का रुझान साफ दिखाई देता है। सोनिया गांधी द्वारा उल्लेखित तीसरा 'सी' इस फामूर्ले का सबसे खतरनाक पक्ष है- शिक्षा का साम्प्रदायिकरण। इस शिक्षा पद्धति में आधुनिकता का अभाव है।

कठोपनिषद-22 (छठी वल्ली)

यम बोले-
इस जगत में जो भी हुआ पैदा,
प्राण स्वरूप ब्रह्मा के आश्रय
की चेष्टा कर रहे ज्यादा,
उसी के नियम से चल रहे सूर्य
चंद्र आदि ग्रह उपग्रह,
उठे हुए वज्र की तरह भयरूप
है वह,
नौकर जैसे स्वामी के डर से
काम में प्रवृत्त,
जगत की सब दैवी शक्तियां
अनुशासन से कार्य में संलिप्त,
ब्रह्मांड के चालक ब्रह्म को
जानने वाले होते अमर,
रखे ब्रह्मा इस ब्रह्मांड की पल
-पल की खबर,
परमात्मा के भय से अग्नि और
सूर्य में उष्णता,
इंद्र वायु वर्षा लाने में लिए हुए
प्रण सा,
मृत्यु रूप नियम उसी के प्रबंध
से रहा चल,
ब्रह्म शक्ति के बिना ब्रह्मांड
कार्य न कर सके एक पल,
पदार्थ में उस सत्ता का अनुभव
करते विवेकीजन,
सच्चे ब्रह्म प्राप्ति के अधिकारी
है ऐसे जन,
तन के नाश होने से पूर्व
जिसने ब्रह्म तत्व को जाना,
जीवन उसका सफल जिसने
समय रहते पहचाना ,
आत्म ज्ञान में रहकर जो न
करे समीक्षा,
आत्मज्ञान साधन रूप मानव
देह रहे वृथा,
सृष्टि के लोक लोकांतर में
बार-बार ले जन्म,
अंधकार में रहकर बार-बार
होता है मरण।

क्रमशः

-डॉ विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़।

शक्ति पूजा का पर्व है नवरात्रि

रमेश सर्राफ धमोरा

नवरात्रि देवी दुर्गा के नौ अवतारों या स्वरूपों की पूजा का प्रसिद्ध त्योहार है। जिसे शक्ति या देवी के रूप में भी जाना जाता है। यह त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं, चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतौर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति-देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है।

नवरात्रि वर्ष में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटाने वाली होता है। नवरात्रि एक प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि का त्यौहार असत्य पर सत्य की जीत को दशार्ता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि साल में दो बार मनाया जाता है। हिंदी महीनों के मुताबिक पहला नवरात्रि चैत्र महीने में मनाया जाता है और दूसरी बार अश्विन महीने में मनाया जाता है। नवरात्रि नौ दिनों तक निरंतर चलता है जिसमे देवी माँ के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते हैं। भारत में नवरात्रि अलग-अलग राज्यों में विभिन्न तरीकों और विधियों के संग मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा

धरती पर आती है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है।

नवरात्रि पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिशक्ति जगदम्बा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन वर्ष के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं। इन नौ दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं -शैलपुत्री, ब्रह्माचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री।

नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती है। यह हमें बताती है कि इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ती और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है कि पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने कोने में श्रध्दा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्हीं में से एक है नवरात्रि।

नवरात्रि के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है, उसकि पूजा की जाती है। नवरात्रि के चौथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी-समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवें दिन एक यज्ञ किया जाता है। नौवा दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन नौ लड़कियों की पूजा होती है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। लड़कियों का सम्मान तथा स्वागत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नए कपड़े, वस्तुयें, फल प्रदान किए जाते हैं।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशः अलग-अलग पूजा की जाती है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है।

इस पर्व से जुड़ी एक कथा के अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। महिषासुर ने अपने साम्राज्य का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा था तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की।

ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गईं थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततरू महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं। नवदुर्गा और दस महाविद्याओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दशमहाविद्या अनंत सिद्धियां प्रदान करने में समर्थ हैं।

एचएमएसआई ने वित्त वर्ष 2024-25 में 58.31 लाख से अधिक यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, मार्च 2025 में 4,27,448 यूनिट्स बिकीं

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
करनाल, 03 अप्रैल। वित्तीय वर्ष के सफल समापन के साथ, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने आज मार्च 2025 के लिए अपनी बिक्री के आंकड़े जारी किए। मार्च 2025 में कंपनी की कुल बिक्री 4,27,448 यूनिट्स रही, जिसमें घरेलू बाजार में 4,01,411 यूनिट्स और 26,037 यूनिट्स का निर्यात शामिल है। गौरतलब है कि एचएमएसआई ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 58,31,104 यूनिट्स की बिक्री की, जिससे 19% की सालाना वृद्धि (ङ्ग ग्रोथ) दर्ज की गई। इसमें घरेलू बाजार में 53,26,092 यूनिट्स और 5,05,012 यूनिट्स का निर्यात शामिल है।
एचएमएसआई ने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र में कदम रखते हुए अउळक-श्अ ीः और दउ1 को पेश किया। इनकी बुकिंग 1 जनवरी 2025 से शुरू हुई और डिलीवरी मार्च 2025 से शुरू हो गई।

एरिया मॉल के बैसाखी दा मेले में पंजाब की भावना का जश्न मनाएं

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
गुरुग्राम, 03 अप्रैल। एरिया मॉल अपने चौथे संस्करण के लिए बहुचर्चित बैसाखी दा मेला लेकर आया है, जो 4 अप्रैल से 13 अप्रैल तक दस दिनों तक उत्सवी उत्साह का वादा करता है। आगंतुक एक जीवंत उत्सव का आनंद ले सकते हैं जो इंटरैक्टिव गेम, आकर्षक गतिविधियों और पारंपरिक प्रदर्शनों के माध्यम से पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत करता है जो बैसाखी के सार को दशार्ता है।
इस साल, सप्ताहांत विशेष रूप से जीवंत होंगे, जिसमें सभी आयु समूहों के लिए कई निःशुल्क कार्यक्रम होंगे। ऊर्जावान भांगड़ा प्रदर्शनों और पारंपरिक पगड़ी बांधने से लेकर हमेशा लोकप्रिय लस्सी चैलेंज तक, उत्सव मस्ती, संस्कृति और सामुदायिक भावना का एक अनूठा मिश्रण पेश करते हैं, जो एरिया मॉल को परिवारों और दोस्तों के साथ मिलकर जश्न मनाने के लिए एकदम सही जगह बनाता है।
हर शाम, मेहमान रिंग टॉस, बैलून शूटिंग, हिट द पिरामिड, पॉटरी मेकिंग और पतंग बनाने सहित कई इंटरैक्टिव खेलों और गतिविधियों का आनंद ले सकते हैं, जो मामूली शुल्क पर उपलब्ध हैं। बैसाखी दा मेला 4.0 के लिए एरिया मॉल में हमारे साथ जुड़ें और इस अद्भुत त्यौहार की खुशी, संस्कृति और जीवंतता का आनंद लें। अपने कैलेंडर पर निशान लगाएँ और शहर में सबसे रोमांचक बैसाखी उत्सव के लिए तैयार हो जाएं! सभी के लिए प्रवेश निःशुल्क है।

हरियाणा के सहकारिता, जेल एवं पर्यटन मंत्री डॉ० अरविंद शर्मा आजअधिकारियों के साथ करेंगे बैठक

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
सोनीपत, 03 अप्रैल। उपायुक्त डॉ० मनोज कुमार ने बताया कि जिला में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा के लिए हरियाणा के सहकारिता, जेल एवं पर्यटन मंत्री डॉ० अरविंद शर्मा 04 अप्रैल को दोपहर 12 बजे लघु सचिवालय के तृतीय तल स्थित कांफ्रेंस हॉल में अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। उन्होंने बताया कि इस बैठक में मुख्यमंत्री घोषणाओं, पीडब्ल्यूडी से संबंधित सडकों के कार्यों, कॉलेज बिल्डिंग, अस्पताल, सिंचाई, एचएसवीपी विभाग से संबंधित कार्यों, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, स्पोर्टस व शहरी निकाय से संबंधित कार्यों की समीक्षा की जाएगी।

खेल मंत्री गौरव गौतम ने बसताड़ा खेल स्टेडियम का किया औचक निरीक्षण

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया
करनाल, 03 अप्रैल। हरियाणा के युवा सशक्तिकरण और उद्यमिता एवं खेल मंत्री गौरव गौतम ने बुधवार को चंडीगढ़ से समालखा जाते समय बसताड़ा गांव स्थित राजीव गांधी खेल स्टेडियम का औचक निरीक्षण किया और स्टेडियम की खस्ता हालत को देखकर जिला खेल अधिकारी पर भडके, कहा आगामी दो महीने में स्टेडियम की व्यवस्था को दुरूस्त नहीं किया तो सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।
खेल मंत्री गौरव गौतम ने निरीक्षण के उपरांत मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश के युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए कृत-संकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्र में स्थापित खेल स्टेडियमों में भी खिलाडि?ों के लिए मूलभूत सुविधाएं प्रदान कर रही है। ताकि युवाओं को गांव स्तर पर ही अच्छी खेल सुविधा मिले और वे नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रह सकें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही प्रदेश सरकार की नई खेल नीति खेलों को बढ़ावा देने के लिए कारगर साबित होगी और प्रदेश के युवा खेलों के क्षेत्र में पदक हासिल करके देश व प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि खेल स्टेडियम में व्यवस्था को लेकर लापरवाह कोच व खेल अधिकारी को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

किसानों को धान के एचकेआर 48, इआर 126 किस्म बीज का करना चाहिए उपयोग : डा.कर्मचंद

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 03 अप्रैल। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डा. कर्मचंद ने कहा कि किसानों को धान की लम्बी अवधि की किस्मों की बजाए कम अवधि की धान की किस्मों को अपनाना चाहिए। जो किसान कम अवधि की धान की किस्मों को अपनाएगा उन किसानों की फसल जल्द पकेगी और खेत भी जल्द खाली हो जाएंगे। अहम पहलू यह है कि कृषि विभाग ने किसानों को धान की किस्म एचकेआर 48 इआर 126,पीबी 1509, पीबी 1692 व पीबी 1847 अपनाने की सलाह दी है। उपनिदेशक डा. कर्मचंद ने आज यहां बातचीत करते हुए कहा कि किसानों को लम्बी अवधि की धान की किस्मों जैसे पूसा 44 तथा अन्य हाईब्रिड किस्मों को छोडकर कम अवधि की धान की किस्में जैसे कि एच. के.आर.-48, पी.आर.-126, पी.बी. -1509, पी.बी.-1692 तथा पी.बी.-1847 लगा सकते है, जिनको पकने में लगभग 108-120 दिन लगते है। इन किस्मों की कटाई जल्दी हो जाती है और खेत जल्दी खाली हो जाते है तथा अगली फसल के लिए खेत तैयार करने हेतू पर्याप्त समय होता है।

कलेक्टर रेट में होने वाली वृद्धि के विरोध में क्षेत्रवासियों ने सौंपा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

तीन माह पहले बढ़ाए गए कलेक्टर रेट फिर से बढ़ाने की तैयारी में है सरकार

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
सतनाली, 03 अप्रैल। सतनाली क्षेत्र के लोगों ने वीरवार को स्थानीय उप तहसील कार्यालय में कलेक्टर रेट में होने वाली वृद्धि के विरोध में मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा है। राजपूत सभा के पूर्व जिला प्रधान सवाई सिंह राठौड़ के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में लोगों ने बताया कि सतनाली महेंद्रगढ़ जिले का सबसे बड़ा गांव है तथा राजस्थान सीमा से सटा हुआ है। सबसे बड़ा कस्बा होने के बावजूद सतनाली क्षेत्र मूलभूत सुविधाओं के मामले में भी पिछड़ा हुआ है जिस कारण यहां नहरें भी सूखी हुई है, रेतीले टीले की जमीन होने के कारण यहां भूमिगत जलस्तर भी काफी गहराया हुआ है। लेकिन इसके बावजूद भी प्रदेश सरकार द्वारा गत दिसंबर माह में यहां के कलेक्टर रेट में 10 प्रतिशत तक वृद्धि कर दी थी। अब सरकार द्वारा पुनः कलेक्टर रेटों में वृद्धि की जा रही है। ऐसे में क्षेत्रवासियों ने सरकार द्वारा कलेक्टर रेटों में वृद्धि न किए जाने की मांग करते हुए कहा कि यदि कलेक्टर रेट बढ़ेंगे तो यहां की जमीनों की रजिस्ट्री महंगी हो जाएगी जिससे जमीनों की कीमतें भी बढ़ेगी। आम आदमी के लिए जमीन लेकर घर बनाने का सपना सपना ही बनकर रह जाएगा। उन्होंने सरकार से कलेक्टर रेटों में वृद्धि पर रोक लगाने की मांग की है। इस मौके पर एडवोकेट पवन शेखावत, मुन्ना भाई शेखावत, हंसराज श्यामपुरा सहित अनेक क्षेत्रवासी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि हरियाणा में नए वित्तीय वर्ष के लिए जमीन के कलेक्टर रेट निर्धारित करने पर काम शुरू हो गया है। नए रेट जारी होने तक पुराने रेट के आधार पर ही रजिस्ट्रियां होंगी। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से सभी मंडलायुक्तों और उपायुक्तों को जिलों में नए कलेक्टर रेट तय होने तक पुरानी दरों के आधार पर ही जमीन की रजिस्ट्री करने के लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नए कलेक्टर रेट के लिए विभिन्न स्थानों पर पांच से 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। पिछले साल पहले लोकसभा और फिर विधानसभा चुनाव की आचार संहिता के चलते एक दिसंबर को ही नए कलेक्टर रेट लागू किए जा सके थे जो 31 मार्च तक मान्य थे। ऐसे में तीन महीने बाद ही नए सिरे से कलेक्टर रेट को बढ़ाने की तैयारी है। जब तक नए कलेक्टर रेट निर्धारित नहीं होते, तब तक पुराने रेट पर ही जमीन की रजिस्ट्रियां हो सकेंगी।
क्या होता है कलेक्टर रेटः-
जमीन के कलेक्टर रेट किसी भी जिले में स्थानीय प्रशासन तय करता है। यह अलग-अलग शहर के अलग-अलग इलाकों में जमीन की बाजार कीमत के आधार पर तय किया जाता है। कलेक्टर रेट किसी भी जिले में जमीन की वह न्यूनतम कीमत है, जिस पर कोई रियल एस्टेट प्रॉपर्टी खरीदार को बेची जा सकती है। कलेक्टर रेट समय-समय पर बदलता रहता है, जो स्थान और बाजार के रुझान पर निर्भर करता है।

सीआईआई गुरूग्राम के पदाधिकारियों ने बुनियादी सुविधाओं की कमी पर उपायुक्त से की मुलाकात

उपायुक्त अजय कुमार ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए समाधान का दिया आश्वासन

जतिन/राजा
गुरूग्राम, 03 अप्रैल। सीआईआई गुरूग्राम के पदाधिकारी सीआईआई गुरूग्राम जोन के अध्यक्ष एवं कैपरो मारूति लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक व सीईओ विनोद बापना, सीआईआई गुरूग्राम जोन के उपाध्यक्ष व मीनाक्षी पॉलिमर प्राईवेट लिमिटेड के सीईओ कुणाल सोनी, उनो मिंडा लिमिटेड के कॉर्पोरेट अफेयर्स के निदेशक अनादि सिन्हा ने बीती शाम उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर उपायुक्त अजय कुमार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने ग्ररूग्राम के औद्योगिक कलस्टरों में सडक, बिजली आपूर्ति, जलभराव व उद्योग विहार तथा मानेसर जैसे क्षेत्रों में अपशिष्ट प्रबंधन सहित प्रमुख बुनियादी ढांचागत चुनौतियों पर उपायुक्त का ध्यान केंद्रित किया। इसके अतिरिक्त पदाधिकारियों ने उपायुक्त से अनुरोध किया कि वे भूमि अधिग्रहण और मूल्य निर्धारण तथा अवसंरचना और अपनाने, कार्यबल कौशल और मौजूदा उद्योगों के नियमितीकरण सहित अन्य महत्वपूर्ण मामलों पर राज्य सरकार को नीतिगत सिफारिशें प्रदान करें। सीआईआई गुरूग्राम जोन के अध्यक्ष एवं कैपरो मारूति लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक व सीईओ विनोद बापना ने कहा कि उपरोक्त समस्याओं के चलते व्यापार और उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। विनोद बापना ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में सडकों की स्थिति जर्जर हो चुकी है, जिससे माल परिवहन में कठिनाई आ रही है। उद्योगपतियों ने सडकों की मरम्मत और चौड़ीकरण की मांग की। क्षेत्र में अनियमित बिजली आपूर्ति और बार-बार हो रहे वोल्टेज फ्लक्चुएशन से उत्पादन प्रभावित हो रहा है। उद्योगपतियों ने स्थिर और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण बारिश के दिनों में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है, जिससे फैक्ट्रियों के संचालन में दिक्कतें आती हैं। उपायुक्त अजय कुमार ने उन्हें आश्वासन दिया कि उपरोक्त मुद्दों और नीतिगत सिफारिशों पर उचित विचार किया जाएगा। उन्होंने यातायात की भीड़ को कम करने, सडक के बुनियादी ढ़ांचे में सुधार और भूजल पुनर्भरण पहल को बढ़ाने के उद्देश्य से चल रही बुनियादी ढ़ांचे पयोजनाओं पर भी जानकारी सांझा की।

प्रशासन व पंचायत विभाग ने सतनाली कस्बे के सार्वजनिक स्थानों व बाजारों से हटाया अवैध अतिक्रमण

-एसडीएम, बीडीपीओ सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी रहे मौजूद, शुक्रवार को फिर चलेगा अभियान

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
सतनाली, 03 अप्रैल। स्वच्छता पखवाड़े के तहत सार्वजनिक स्थानों पर सफाई व्यवस्था कायम करने तथा बाजारों में मुख्य रास्तों पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए पंचायत विभाग द्वारा अभियान चलाया गया। इस दौरान लोहारू चौक, टी प्वाइंट सहित मुख्य बाजारों से अवैध कब्जे हटाए गए तथा साफ सफाई व्यवस्था कायम की गई। अभियान के दौरान एसडीएम अनिल कुमार, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी मनोज कुमार, एसईपीओ प्रवीन कुमार सहित सरपंच प्रतिनिधी धर्मबीर गोठवाल व अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। ध्यान रहे कि गत दिवस ही खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी द्वारा सतनाली सरपंच को अभियान के तहत साफ सफाई करवाने तथा अतिक्रमण हटाने के लिए पंचायत से ट्रैक्टर ट्रालियां, जेसीबी व लोडर आदि उपलब्ध करवाने बारे निर्देश दिए थे। इसके बाद वीरवार सुबह प्रशासन व पंचायत विभाग की ओर से कस्बे के टी प्वाइंट से तहसील कार्यालय व लोहारू रोड़ पर दुकानों के बाहर किए गए अतिक्रमण को जेसीबी की मदद से हटाया गया तथा दुकानों के आगे रखे सामान को भी हटाया गया। अभियान के दौरान पुलिस बल भी तैनात रहा। इस दौरान दुकानदारों ने भी एसडीएम व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं रखी जिस पर एसडीएम ने उन्हें समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। दुकानदारों ने रास्तों के बीचों बीच लगे बिजली के खंबे साइड में करवाने की मांग उठाई जिस पर एसडीएम ने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन खंबों को यहां से हटाकर साइड में लगाया जाए।
दुकानदारों ने मांगा समय, वीरवार सुबह खोखा मार्केट में चलेगा अभियान
वहीं दूसरी ओर जब प्रशासन कस्बे में करीब तीन दशक से भी अधिक समय से संचालित की जा रही खोखा मार्केट की दुकानों के अवैध अतिक्रमण को हटाने पहुंचा तो दुकानदारों से प्रशासन से शाम तक का समय मांगा जिस पर एसडीएम ने सांय चार बजे तक कब्जे हटाने के निर्देश दिए तथा शुक्रवार सुबह पुनः अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू करने के निर्देश दिए। यह भी विदित रहे कि कस्बे की खोखा मार्केट में करीब 300 से अधिक दुकानें बनी हुई है जो कि अवैध है तथा पंचायत व प्रशासन द्वारा यहां के अवैध कब्जों को हटाने के लिए अनेक बार नोटिस तक जारी किए जा चुके है। लेकिन इन खोखा मार्केट में अवैध रूप से रखे खोखा नुमा दुकानों के कब्जाधारी इन्हें खाली करके कब्जा हटाने की बजाय दन दुकानों को किराए पर देकर दुकानदारों से मनमाना किराया वसूल करते आ रहे है। सतनाली कस्बे के लोगों व सामाजिक संगठनों ने प्रशासन व पंचायत विभाग के अभियान की सराहना की है तथा साथ ही खोखा मार्केट के दुकानदारों को विस्थापित करने के लिए प्रयास करने की भी मांग की है।
इस बारे में सरपंच प्रतिनिधी धर्मबीर गोठवाल ने बताया कि प्रशासन व पंचायत विभाग द्वारा कस्बे में सार्वजनिक स्थानों सहित खोखा मार्केट से अवैध कब्जे हटाने बारें कार्रवाई की गई है। इसमें दुकानदारों का सहयोग मिला है। खोखा मार्केट से अवैध कब्जे हटाकर इस जगह पर पंचायत द्वारा पक्की दुकानें बनाकर नई मार्केट बनाई जाएगी तथा उन्हें नियमानुसार आवंटित किया जाएगा। इससे पंचायत को भी आमदनी होगी तथा कस्बे की सुंदरता भी बढ़ेगी। उन्होंने आमजन से भी इस अभियान में सहयोग की अपील की है।

पहाड़ी माता मंदिर में रक्तदान, स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन कल

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
लोहारु, 03 अप्रैल। श्री पहाड़ी माता सेवा ट्रस्ट और मार्गदर्शन के तत्वावधान में पहाड़ी माता मंदिर परिसर में 5 अप्रैल को एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान, स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में नागरिकों को निःशुल्क आंखों, बीपी, शुगर और सामान्य स्वास्थ्य की जांच का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आलोक मित्तल आईपीएस, एडीजीपी, एंटी करप्शन ब्यूरो, हरियाणा उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में एसपी नितीश अग्रवाल और एसडीएम मनोज दलाल रहेंगे। श्री पहाड़ी माता सेवा ट्रस्ट के सदस्य अशोक कुमार बेरलिया ने बताया कि शिविर के आयोजन का मुख्य उद्देश्य रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इस पुनीत कार्य में भाग लेने की अपील की है।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का हुआ शुभारंभ

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 03 अप्रैल। श्री रामनवमी के पावन अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के नॉन टीचिंग क्लब में श्री गो गीता गायत्री सत्संग सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। संस्थापक अध्यक्ष हरियाणा के प्रसिद्ध भागवत प्रवक्ता कथावाचक अनिल शास्त्री प्रतिदिन सायं 04:00 बजे से 06:30 बजे तक श्रीमद्भागवत का रस पान करवायेंगे।। कथा से पूर्व मुख्य यजमान अनिता राणा, भागीरती पाठक,हरि सिंह डॉ.रेणु शाह, डॉ.पुष्पा, डॉ राजेश सोबती, मदन रंगा ने कलश पूजन, भागवत पूजन एवं व्यास पूजन किया। तत्पश्चात कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में भक्तजनों ने मंगल कलश सिर पर लेकर चले । बैंड बाजे की धुन पर कई महिलाएं व कन्याए भगवान कृष्ण के गीत गाते हुए नृत्य कर रही थीं। कथावाचक अनिल शास्त्री ने कलश यात्रा का महत्व बताते हुए कहा कि कलश सुख-समृद्धि का प्रतीक है। जो लोग कलश यात्रा में चलते हैं सुख-समृद्धि उनका साथ कभी नहीं छोड़ती और परमात्मा की विशेष कृपा के पात्र हो जाते हैं।

समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों के निपटान में कोताही बर्दाशत नहीं होगी : नेहा सिंह

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 03 अप्रैल। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रत्येक कार्य दिवस में आयोजित होने वाले समाधान शिविर की समीक्षा स्वयं कर रहे हैं। ऐसे में किसी भी अधिकारी-कर्मचारी द्वारा समाधान शिविर में आने वाले शिकायतों में कोताही बर्दाशत नहीं होगी। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ त्वरिक कार्रवाई करते हुए समाधान शिविर की शिकायतों को निपटाने के निर्देश दिए। उपायुक्त नेहा सिंह वीरवार को लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में जिला वासियों की समस्याएं सुन रही थी। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ स्थित कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिविर में शिकायत लेकर पहुंचे प्रदेश के अलग-अलग स्थानों के लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानी और अधिकारियों को शिकायतें समयबद्ध निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को समाधान शिविर के लिए निर्धारित समय में उपस्थित रहने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि वीरवार को समाधान शिविर में 54 शिकायतें आई, इनमें से 30 शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया गया। समाधान शिविर में आई शिकायतों में से क्रीड विभाग से संबंधित 44 शिकायतें और अन्य विभागों की 10 शिकायतें शामिल रही। इनमें स्वामित्व योजना के तहत प्रॉपर्टी आईडी कार्ड के रजिस्ट्री में तबदील करवाने, जमीन की निशानदेही करवाने, पीएम आवास योजना के तहत मकान निर्माण करवाने, मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर रिकार्ड दुरुस्त करवाने, वाहन का गलत चालान बनना आदि से संबंधित रहीं। इस मौके पर एएसपी मनप्रीत सिंह सूदन, डिप्टी सीईओ कृष्ण लाल, डीएसपी सुनील कुमार, ग्रीवेंस कमेटी सदस्य विनीत कवात्रा, युद्धिष्ठर बहल, गुलशन सैनी सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक आज

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 03 अप्रैल। जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति के अध्यक्ष, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री राजेश नागर की अध्यक्षता में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक 4 अप्रैल को दोपहर 12 बजे नया सचिवालय के भू-तल स्थित सभागार में आयोजित होगी। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक में मंत्री राजेश नागर के सामने विभिन्न विभागों से संबंधी 17 मामले रखे जाएंगे। इन मामलों में अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय, जिला विकास एवं पंचायत विभाग, आबकारी एवं कराधान विभाग, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, खनन विभाग, उत्तरी हरियाणा बिजली वितरण निगम, नगर निकाय से संबंधी शिकायतें शामिल हैं।

रतिया पुलिस ने हथियार सप्लाई करने के आरोपी को किया गिरफ्तार

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर
रतिया, 03 अप्रैल। रतिया पुलिस ने नाजायज हथियार सहित गिरफ्तार युवक से पूछताछ के आधार पर उसे हथियार सप्लाई करने के आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए युवक की पहचान लखविन्द्र सिंह लक्खा पुत्र शंकर सिंह निवासी गांव खानपुर गढ़ी जिला मेरठ, यूपी के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को माननीय अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।थाना सदर रतिया प्रभारी एसआई राजबीर सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 26 नवंबर 2024 को शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था।

छीना-छपटी की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया
करनाल, 03 अप्रैल। बीती शाम जिला पुलिस थाना असंध के अर्तगत आने वाली पुलिस चौकी जलमाना की टीम द्वारा विश्वसनीस सुचना के आधार पर सहायक उप निरीक्षक सुन्दर सिंह की अध्यक्षता मे गांव जलमाना से दो आरोपी दिलखुश पुत्र नशीब अहमद, हर्ष कुमार पुत्र शमशेर निवासी गांव जलमाना करनाल को गिरफ्तार किया गया। आरोपीयो के कब्जे से दो मोटरसाइकिल व छीना गया मोबाइल फोन किया बरामद।
इस सबंध मे अनुसंधान अधिकारी सहायक उप निरीक्षक सुन्दर सिंह ने बताया की आरोपी द्वारा शाम दिनांक 1.04.2025 गांव जलमाना मे रोड पर जा रहे एक व्यक्ति से मोबाइल छीनकर वारदात को अंजाम दिया गया था। आज आरोपी को माननीय अदालत के सम्मुख पेश कर जेल भेजा गया।

हरियाणा वाटिका
Email- haryanavatika@gmail.com

झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले बच्चों को स्कूल बैग, पाठ्य सामग्री और लेखन सामग्री का किया वितरण

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 03 अप्रैल। रोटी बैंक शाखा कुरुक्षेत्र द्वारा सुंदरपुर फाटक के पास स्थित झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले बच्चों को स्कूल बैग, पाठ्य एवं लेखन सामग्री वितरित की गई। रोटी बैंक शाखा कुरुक्षेत्र द्वारा कुरुक्षेत्र के ऐसे स्थानों को चिन्हित किया है जहां पर शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए छात्र छात्राओं को लेखन सामग्री, पुस्तकें और अन्य आवश्यक वस्तुएं वितरित की जाएंगी। रोटी बैंक के प्रधान सेवक डॉ. अशोक कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष नरेश सैनी, उप प्रधान पंकज ठकराल, महासचिव कर्म चंद और रोटी बैंक के अंकेक्षक डॉ. एम एम सिंह झुग्गी झोपड़ी पहुंचे और उपरोक्त सामग्री वितरित की। प्रथम कड़ी में 12 बच्चों को चिन्हित किया गया था, जिन्हे स्कूल बैग, लेखन सामग्री आदि वस्तुएं प्रदान की गई। तत्पश्चात अन्य बच्चों को भी चिन्हित किया गया है जिनमें लगभग 30 बच्चे और लिए गए हैं। इन्हें भी शीघ्र आवश्यकतानुसार शिक्षा हेतु आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी।

जिले में 17 अप्रैल को पहुंचेगी साइक्लोथॉन

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया
करनाल, 03 अप्रैल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत ड्रग फ्री हरियाणा का संदेश लेकर साइक्लोथॉन (साइकिल यात्रा) आगामी 17 अप्रैल को जिले में प्रवेश करेगी। साइक्लोथॉन यात्रा में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन लिंक जारी किया गया है जिस पर कोई भी व्यक्ति रजिस्ट्रेशन कर सकता है। इस यात्रा का उद्देश्य लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करना है।

उपायुक्त ने जिले की ग्राम पंचायतों, कॉलेजों, स्कूल, एनजीओ, विभिन्न एसोसिएशन, नशा मुक्ति केंद्र आदि से ड्रग फ्री हरियाणा मुहिम में शामिल होते हुए इस यात्रा में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जिले की साइकिल यात्रा में जिले की सक्रिय भागीदारी रहेगी। जिला वासियों से आह्वान किया कि वे हरियाणा उदय पोर्टल के जरिये अपना रजिस्ट्रेशन करें।

उन्होंने कहा कि साइक्लोथॉन का जिला में जनभागीदारी के साथ भव्य स्वागत किया जाएगा। यह महत्वपूर्ण यात्रा जिला वासियों को नशे के खिलाफ संदेश देगी। उन्होंने कहा कि साइक्लोथॉन का उद्देश्य नशा मुक्त हरियाणा का संदेश हर घर तक पहुँचाना है। इसके लिए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, ग्राम पंचायतें, गांव के प्रबुद्ध लोगों सहित युवाओं, छात्रों, खिलाडियों और सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं को जोड़ा जाएगा।

बाबा खेतानाथ राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज में इस वर्ष सीटें बढ़ने की उम्मीद

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
नारनौल, 03 अप्रैल। क्षेत्र के नागरिकों की मांग पर स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बाबा खेतानाथ राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज में 41 शिक्षक लगाए हैं। अब यहां नए शैक्षणिक सत्र में अधिक सीटों पर एडमिशन होने की उम्मीद है।

यह हरियाणा का एकमात्र आयुर्वेदिक कॉलेज है। जिला महेंद्रगढ़ के लिए ये बड़ी सौगात है। पिछले दो साल से प्रोफेसर, रीडर और लेक्चरर की कमी से पूरी क्षमता से दाखिला नहीं हो पा रहे थे।

नवनियुक्त आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारियों (एएमओ) में से योग्यता रखने वाले एएमओ को ये जिम्मेदारी दी गई है। अब विद्यार्थियों को और बेहतर तरीके से चिकित्सा शिक्षा हासिल होगी।

कॉलेज के प्रिंसिपल श्रीनिवास गुज्जरवार ने बताया कि आयुर्वेदिक कॉलेज में उपलब्ध संकाय के आधार पर केवल 30 छात्रों को प्रवेश की अनुमति दी थी। इस संबंध में स्वास्थ्य मंत्री से यहां पर स्टाफ नियुक्त करने की मांग की गई थी। स्वास्थ्य मंत्री के प्रयासों से अब अगर केंद्रीय टीम से इजाजत मिलती है तो पूरी प्रवेश क्षमता को बहाल किया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि अब कॉलेज में अधिक छात्रों को समायोजित करने के लिए पर्याप्त स्टाफ है।

इतिहास के विद्यार्थियों ने किया जिला अभिलेखागार का शैक्षणिक भ्रमण

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 03 अप्रैल। दयानंद महाविद्यालय के इतिहास विभाग के विद्यार्थियों ने वीरवार को इतिहास के स्त्रोतों को प्रत्यक्ष रूप से समझने और उनके मौलिक अध्ययन के उद्देश्य से हिसार मंडल के क्षेत्रीय अभिलेखागार का शैक्षणिक भ्रमण किया।

इस शैक्षणिक यात्रा का नेतृत्व इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह ने किया, जिसमें विभाग के तीनों शिक्षक और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। लघु सचिवालय के द्वितीय तल पर स्थित अभिलेखागार में पहुंचने पर विभाग के सहायक निदेशक अनिल कुमार ने विद्यार्थियों और शिक्षकों का स्वागत किया तथा अभिलेखागार की ऐतिहासिक और शैक्षणिक महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को अभिलेखागार में संग्रहित विभिन्न दस्तावेजों, सरकारी पत्रों, ऐतिहासिक फोटो और दुर्लभ चित्रों को दिखाया तथा उनके संरक्षण और उपयोग की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया।

भ्रमण के उपरांत आयोजित संगोष्ठी में विभागाध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय धरोहर बताते हुए उनके संरक्षण और उपयोगिता की जानकारी दी। इतिहास प्राध्यापक संदीप कुमार ने विद्यार्थियों को तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने इस शैक्षणिक भ्रमण को विद्यार्थी जीवन का एक अभिन्न अंग बताते हुए इस नई विधाओं से सीखने का प्रभावी माध्यम करार दिया और विद्यार्थियों को ऐसे शैक्षणिक अवसरों का पूरा लाभ उठाने की प्रेरणा दी। उन्होंने अभिलेखागार विभाग के सहायक निदेशक अनिल कुमार और उनकी टीम का आभार व्यक्त किया, जिनके मार्गदर्शन से यह भ्रमण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस आयोजन में इतिहास परिषद की अध्यक्ष कुमारी दीक्षा की भूमिका भी सराहनीय रही, उन्होंने विद्यार्थियों की ओर से सभी अतिथियों और शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए ऐतिहासिक अध्ययन की नई दिशाएँ खोलने वाला सिद्ध हुआ, जिससे उन्हें इतिहास के मूलभूत स्त्रोतों को नजदीक से देखने और समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

डॉ. अंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के तहत त्रुटि सुधार की अंतिम तिथि बढ़ाई 10 अप्रैल तक

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
भिवानी, 03 अप्रैल। छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए डॉ. अम्बेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के तहत दस्तावेजों मे त्रुटि सुधार के लिए अंतिम तिथि 10 अप्रैल तक बढ़ाई गई है।

उपायुक्त महावीर कौशिक ने ये जानकारी देते हुए बताया कि डॉ. अम्बेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 के लिए पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किए गए थे। इन आवेदनों की जांच के दौरान दस्तावेजों से संबंधित त्रुटियां पाई गई थीं। ऐसे सभी विद्यार्थियों को अपनी त्रुटियों को ठीक करवाने का एक और मौका दिया गया है। इसके लिए संबंधित छात्र/छात्राओं को लघु सचिवालय स्थित कमरा नंबर 161 में स्वयं उपस्थित होकर 10 अप्रैल तक अपने दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। उन्होंने सभी छात्र/छात्राओं से अनुरोध किया है कि वे इस अंतिम अवसर का लाभ उठाकर अपनी त्रुटियों को समय पर दूर करें, ताकि योजना का लाभ मिल सकें।

बीपीएल के नाम पर वोट ऐंठ कर अब दे रहे एफआईआर की धमकी : अशोक अरोड़ा

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 03 अप्रैल। थानेसर विधायक एवं हरियाणा के पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा ने कहा है कि चुनाव से पहले तो भारतीय जनता पार्टी ने वोट ऐंठने के लिए लोगों के नाम बीपीएल मे जुड़वा दिए और अब सरकार बनने के बाद लोगों को धमकी दी जा रही है कि या तो स्वयं कटवा लो, वरना एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी, भाजपा की यह ओच्छी राजनीति है। सरकार को अब एक ही मकसद नजर आ रहा है कि लोगों की जेबों पर किस प्रकार से डाका डाला जाए और लोगों को धमकाया जाए। वे गुरुवार को अपने प्रतिष्ठान पर पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। अरोड़ा ने कहा कि विधानसभा के बजट सत्र के दौरान उन्होने क्षेत्र के लोगों की मांगों को लेकर आवाज उठाई। पांच ध्यानाकर्षण प्रस्ताव उन्होने लगाए जिसमे से चार प्रस्ताव कुरुक्षेत्र से जुड़े हुए थे। भाजपा द्वारा काफी दिनों से प्रचार किया जा रहा था कि कुरुक्षेत्र का रिंग रोड बनेगा। इसको लेकर उन्होने विधानसभा मे प्रश्न लगाया, इस प्रश्न पर सरकार की ओर से स्पष्ट जवाब दिया गया कि अभी कुरुक्षेत्र के रिंग रोड को कोई प्लान नही है। इस पर उन्होंने कुरुक्षेत्र के बाईपास का मुद्दा उठाया, लेकिन सरकार की तरफ से कहा गया कि पिहोवा-लाडवा रोड के साथ बाईपास बनाया जाएगा। इस पर उन्होने मार्ग को चौड़ा करने के लिए कहा, तो सरकार ने आश्वासन दिया है कि मार्ग को चौड़ा किया जाएगा। इस मौके पर उनके साथ रामनाथ सैनी रतगल, सतीश शर्मा, टेकचंद बारना, चंद्रभान वाल्मिकी मौजूद रहे।

चोरी के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया
करनाल, 03 अप्रैल। जिला पुलिस की एंटी आटो थैफ्ट टीम के इन्चार्ज सहायक उप निरीक्षक सुरेश कुमार की अध्यक्षता मे गुप्त सूचना के आधार पर जी.टी.रोड तखाना मोड तरावडी करनाल मे नाकाबंदी करके आरोपी जनशर उर्फ दिनेश कुमार पुत्र फुलसिंह निवासी गांव समाना बाहु करनाल को गिरफ्तार किया गया । आरोपी के कब्जे से मौके से एक मोटरसाइकल बरामद की गई।

इस सबंध मे एंटी आटो थैफ्ट टीम के इन्चार्ज सहायक उप निरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया की गहनता से पुछताछ मे पाया गया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीसी के माध्यम से समाधान शिविरों को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 03 अप्रैल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार को सभी जिलों के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान शिविर में आने वाले शिकायतों और उन पर हुई कार्यवाही की समीक्षा की।

इस दौरान उन्होंने लंबित मामलों की जांच और नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निपटान को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे समाधान शिविरों में प्राप्त होने वाली शिकायतों को गंभीरता से लें और अति शीघ्र निपटान सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की मंशा नागरिकों की समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करने की है। इस उद्देश्य से आयोजित समाधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करें ताकि जनता का प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत हो। मुख्यमंत्री के निदेर्शों के बाद उपायुक्त अनीश यादव ने जिले के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों का शीघ्र निपटान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री स्वयं इन शिकायतों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं और किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतों को हल करने के लिए पूरी तत्परता से कार्य करें। शिकायत का निपटान होने के बाद एटीआर को भी अपलोड किया जाए। समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को त्वरित न्याय दिलाना और उनकी प्रशासन से जुड़ी समस्याओं का समाधान करना है। इन शिविरों में विभिन्न विभागों के अधिकारी नागरिकों की समस्याएं सुनते हैं और उनका तत्काल समाधान निकालने का प्रयास करते हैं। मुख्यमंत्री द्वारा इन शिविरों की नियमित समीक्षा की जा रही है ताकि जनता को लाभ मिल सके। इस अवसर पर हिसार पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन, एडीसी जयाश्रद्धा, नगर निगम आयुक्त नीरज, हांसी डीएसपी रविंद्र सांगवान, सीटीएम हरिराम, डीडीपीओ नरेंद्र सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रणधीर सिंह धीरू, धर्मवीर रतेरिया एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मलेरिया और डेंगू से बचाव पर जागरूकता अभियान जारी : डॉ सपना गहलावत

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 03 अप्रैल। मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी वेक्टर जनित बीमारियों के प्रकोप को रोकने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग ने व्यापक जन-जागरूकता अभियान की शुरूआत की है। अभियान का उद्देश्य नागरिकों को इन बीमारियों के कारण, लक्षण, बचाव और रोकथाम के उपायों के प्रति सचेत करना है ।

सिविल सर्जन डॉ. सपना गहलावत ने बताया कि इस अभियान के तहत रैपिड फीवर मास सर्वे किया जा रहा हैं, जिससे बुखार से पीड़ित लोगों की शीघ्र पहचान कर उनकी जांच और उपचार किया जा सके, प्रत्येक सोमवार को प्रवासी मजदूरों पर विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे। इसके पूर्व के मलेरिया और डेंगू मामलों का फॉलोअप किया जा रहा है और बुखार के लक्षण पाए जाने पर उनके ब्लड की जांच अनिवार्य रूप से की जा रही है।

डॉ. सपना गहलावत ने बताया कि इस वर्ष ब्लड स्लाइड टारगेट जुलाई से अक्टूबर के सीजन में 0.75 और ऑफ-सीजन में 0.5 निर्धारित किया गया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष रूप से प्रवासी मजदूरों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। प्रत्येक सोमवार को भां, स्लम एरिया, चिनाई लेबर जैसे प्रवासी मजदूरों की बस्तियों में गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक सीएचसी को इस वर्ष फिश हैचरी स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे वे स्वयं गैम्बूसिया मछली का उपयोग कर अपने क्षेत्र के जल स्रोतों में मच्छरों के लार्वा को नियंत्रित कर सकें। सोर्स रिडक्शन गतिविधियों को प्राथमिकता दी जा रही हैं तथा डेली रिपोर्टिंग अनिवार्य की गई है। उप सिविल सर्जन एवं जिला मलेरिया नोडल अधिकारी डॉ. सुभाष खतरेजा ने कहा कि बारिश के मौसम में जलभराव की समस्या बढ़ जाती है, जिससे मच्छरों के पनपने की अनुकूल परिस्थितियां उत्पन्न होती हैं। यही कारण है कि इस मौसम में डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए नागरिकों को सतर्क रहना आवश्यक है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाई जा रही जागरूकता गतिविधियों में भाग लेकर समाज में इस मुद्दे को लेकर जागरूकता फैलाएं।

बिजली के रेट बढने से जनता में रोष : विधायक चंद्रप्रकाश

कहा, बिजली शुल्क बढ़ाकर भाजपा ने जनता की भावनाओं से किया खिलवाड़

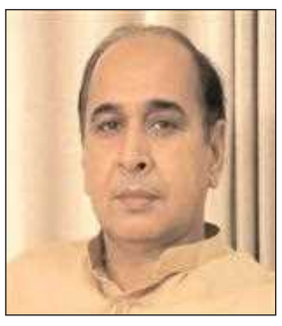

भाजपा सरकार ने प्राथमिक शिक्षा विभाग में हरियाणा कौशल रोजगार

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 03 अप्रैल। आदमपुर के विधायक व सेवानिवृत्त आईएएस चंद्रप्रकाश ने बिजली रेट में बढ़ोत्तरी व एचकेआरएन कर्मचारियों को हटाने के आदेश पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि बिजली की प्रति यूनिट दरों में वृद्धि करके भाजपा ने पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे प्रदेशवासियों की मुसीबत और बढ़ा दी है।

विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि निगम के तहत तैनात टीजीटी को तुरंत प्रभाव से हटाने के आदेश जारी करके शिक्षकों की भावनाओं से खिलवाड़ किया है। भाजपा ने चुनाव के दौरान महंगाई को नियंत्रित करने एवं एचकेआरएन के तहत नियुक्त कर्मचारियों को नौकरी से न निकालने का वादा किया था। इसके विपरीत भाजपा निरंतर जनविरोधी फैसले ले रही है। भाजपा के इन निर्णयों से आहत प्रदेशवासियों में रोष व्याप्त है। इस मूल्य वृद्धि से जहां नागरिकों पर और अधिक आर्थिक बोझ बढ़ेगा, वहीं इंडस्ट्री के लिए भी बिजली महंगी कर दी गई है। इससे महंगाई में भी और अधिक इजाफा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मजदूर, किसान, पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति वर्ग व छोटे दुकानदार सहित हर वर्ग विभिन्न प्रकार की समस्याएं झेलने के लिए मजबूर है। उन्होंने कहा कि जनता अब भाजपा की ऐसी नीतियों से तंग आ चुकी है और लोग जन आंदोलन के लिए मजबूर हो रहे हैं।

गुजवि में तीन दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 03 अप्रैल। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रोक्टर कार्यालय एवं छात्रावास प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में छात्रावास परिसर में तीन दिवसीय आत्म रक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्यातिथि डॉ. वंदना बिश्नोई ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय छात्राओं की सुरक्षा और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। विशिष्ट अतिथि प्रो. संदीप राणा ने अपने संबोधन में छात्राओं को प्रोत्साहित किया तथा कहा कि आत्मरक्षा का ज्ञान हर व्यक्ति को होना चाहिए। प्रो. सुजाता सांघी ने अपने संबोधन में कहा कि आत्मरक्षा केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण साधन है। इस प्रशिक्षण सत्र में प्रशिक्षक रोहतास कुमार ने आत्मरक्षा के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। डिप्टी प्रोक्टर डा. अंजू गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में 100 छात्राओं ने बढ़-चढकर भाग लिया। विश्वविद्यालय की प्रथम महिला डॉ. वंदना बिश्नोई कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रही, जबकि तकनीकी सलाहकार प्रो. संदीप राणा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता चीफ वार्डन प्रोफेसर सुजाता सांघी ने की। हॉस्टल कोऑर्डिनेटर डॉ. कल्पना ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डिप्टी चीफ वार्डन डा. विनीता, डॉ. संतोष, वार्डन ज्योति मेहता, रितु यादव, कृष्णा, सोनिया सहित अन्य स्टाफ सदस्य भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन माध्यम से जिलाधिकारियों साथ जुडकर की समाधान शिविरों की समीक्षा

- मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने समाधान शिविरों में पहुंचे फरियादियों से भी की सीधी बात

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
भिवानी, 03 अप्रैल। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ऑन लाइन माध्यम से वीरवार को समाधान शिविरों से सीधे रूप से जुड़े। उन्होंने जिलाधिकारियों के साथ-साथ फरियादियों से भी बात की और शिकायतों के बारे में जाना। उन्होंने नागरिकों की समस्याओं के समाधान की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों का समयबद्ध तरीके से समाधान किया जाए। नागरिकों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए बार-बार चक्कर न लगाने पड़े।

मुख्यमंत्री श्री सैनी ने जिलाधिकारियों से कई दिनों से लंबित शिकायतों का समाधान न होने के कारण भी जाने। उन्होंने यह भी जाना कि फिलहाल किस-किस तरह की शिकायतें समाधान शिविरों में आ रही हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि लंबित शिकायतों का अति शीघ्र समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपनी जिम्मेवारी समझें और नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से लें। नागरिकों को समाधान शिविरों की जानकारी भी होनी चाहिए कि अधिकारियों द्वारा उनकी समस्याएं सुनकर उनका मौके पर ही समाधान किया जा रहा है।

वहीं दूसरी ओर डीसी महावीर कौशिक ने समाधान शिविर में सभी विभागाध्यक्ष को निर्देश दिए कि वे समाधान शिविर के लिए अपनी अधीनस्थ एक और अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त करें और उसको अपने विभाग से संबंधित समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों की जानकारी होनी चाहिए।

अधिकारी को समाधान शिविर में आने से पहले यह पता होना चाहिए कि उनके विभाग से संबंधित कितनी समस्याएं आ चुकी हैं और कितनी समस्याओं का समाधान किया जा चुका है, ताकि समीक्षा के दौरान उसके पास सही जवाब हो। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मंगलवार को सभी विभागाध्यक्ष रिपोर्ट के साथ समाधान शिविर में स्वयं आएंगे। समाधान शिविर में महज खानापूर्ति ना हो। उन्होंने कहा कि शिकायतों का तुरंत समाधान कर एटीआर पोर्टल पर अपलोड करें। समाधान के साथ-साथ नागरिकों की संतुष्टि भी जरूरी है। डीसी ने विशेषकर जन स्वास्थ्य विभाग और बिजली निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नागरिकों की शिकायतों का जल्द से जल्द समाधान करें।

इस मौके पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय चोपड़ा, नगराधीश अनिल कुमार, डीडीडीपीओ आशीष मान, तहसीलदार सुरेश कुमार, जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक अनिल कालरा, यातायात प्रबंधक भरत परमार, बिजली निगम अधीक्षक अभियंता बिजेंद्र लांबा सहित विभिन्न विभागों से अधिकारी मौजूद रहे।

शहर के मुख्य मार्गो पर ब्रेकर ना होने से बना रहता है हादसों का भय : भगवादास कालिया

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
भिवानी, 03 अप्रैल। स्थानीय दादरी गेट ढ़ाणा रोड़ क्षेत्र में पेयजल की सुचारू सप्लाई एवं सडकों पर ब्रेकर बनवाए जाने की मांग को लेकर धानक समाज के प्रधान भगवानदास कालिया के नेतृत्व में अनेक क्षेत्रवासियों ने वीरवार को समाधान शिविर में शिकायत दर्ज करवाई। इस दौरान काफी तादात में महिलाएं भी साथ रही। इस दौरान क्षेत्रवासियों ने कहा कि पेयजल सप्लाई सुचारू ना होने के कारण इस क्षेत्र के लोग पानी की बूंद तक भी देखने को तरस गए है, जिसके चलते उन्हे रोजमर्रा के कार्यो में भारी परेशान हो रही है। समाधान शिविर के माध्यम से उपायुक्त महाबीर कौशिक, नगराधीश सहित अन्य अधिकारियों को समस्या से अवगत करवाते हुए भगवानदास कालिया ने कहा कि दादरी गेट ढ़ाणा रोड़ पर करीबन एक वर्ष से पेयजल सप्लाई सुचारू नहीं है। सबसे अधिक परेशानी ढ़ाणा रोड़ पर गली नंबर-1 से 9 तक बनी हुई है, जहां पर एक बूंद भी पानी की सप्लाई नहीं होती।

जिसके चलते इस क्षेत्र के लोग पूरी तरह से टैंकरों पर निर्भर है तथा उनकी आधी कमाई तो टैंकरों का भुगतना करने में खर्च हो जाती है। उन्होंने कहा कि इस समस्या के समाधान की मांग को लेकर जब एसडीओ को फोन करते है तो वे ना तो फोन उठाते है तथा ना ही कार्यालय में मिलते है, जिससे परेशान होकर क्षेत्रवासी उनके घर पहुंचे तथा वहां से क्षेत्रवासियों को धक्के मारकर भगा दिया गया। इसके अलावा भी अन्य अधिकारियों को कई बार इस समस्या से अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन आज तक समाधान नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि पेयजल सप्लाई के अभाव में क्षेत्रवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में वे मांग करते है उक्त क्षेत्र की पेयजल सप्लाई की समस्या का समाधान किया जाए, ताकि भीष्ण गर्मी में उन्हे और अधिक परेशानियों का सामना ना करना पड़े। वही ब्रेकरों की समस्या से अवगत करवाते हुए भगवादास कालिया ने कहा कि शहर के रोहतक गेट, दादरी गेट, ढ़ाणा रोड़, बावड़ी गेट, हनुमान गेट, महम गेट, हांसी गेट, घंटाघर, ढ़ाणा रोड़ मार्गो पर ब्रेकर नहीं है, जिसके चलते यहां पर सडक दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। ऐसे में सडक दुर्घटनाओं को रोकने के लिए इन मार्गो पर ब्रेकर बनाए जाने की जरूरत है। इस अवसर पर बिरमा, रीतू, ममता, भागवंती, आरती, मीरा देवी, रोशनी, सुदेश, राज इंदौरा, अशोक डाबला, अनिल डाबला, सुरेंद्र इंदौरा, अनिल पेंटर, संतलाल, कमलेश चावला, प्रवेश इटकान, शारदा इटका, सुदेश, राज नागर, मदन नागर, जसवंत डाबला, मनोज इंदौरा, विनोद लडवाल, सज्जन खटीक, मीरा बडगुज्जर सहित अन्य क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

नए शैक्षणिक सत्र में तिलक लगा कर किया विद्यार्थियों का स्वागत

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 03 अप्रैल। नवयुग सीनियर सेकेंडरी स्कूल मोहन नगर में नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ सभी विद्यार्थियों के स्वागत से हुआ। सत्र के शुभारंभ पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को तिलक लगा कर उनका मुंह मीठा करवाया गया। प्रधानाचार्य डॉ देवेन्द्र अरोड़ा एवं डायरेक्टर बी.डी. गाबा ने सभी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि मां शारदा सब को सद्बुद्धि, विभिन्न कलाएं एवं मेघा दें। उन्होंने विद्यार्थियों की सफलता की कामना करते हुए उन्हें नए सत्र के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष नए सत्र का आरंभ सरस्वती पूजा के साथ किया जाता है, जिसका उद्देश्य बच्चों में आस्था तथा आत्मबल की स्थापना तथा सद्विचारों को जागृत करना है। इसके साथ ही उन्हें अपनी पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन करने, नए कौशल सीखने और अपने जीवन को बेहतर बनाने का संकल्प भी दिलाया गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों को अपने लिए कुछ विशिष्ट और प्राप्त करने योग्य लक्ष्य निर्धारित करना, अपने संकल्पों को लिखना, उन्हें पूरा करने के लिए एक योजना बनाना, अपने आप को प्रेरित रखना, अपने संकल्पों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करना तथा उन्हें पूरा करने के लिए उत्साहित रहना जैसे सुझाव भी दिए। इसके साथ ही सभी विद्यार्थियों ने सेल्फी पॉइंट पर अपनी सेल्फी ली। यह सेल्फी पॉइंट विशेष रूप से बच्चों के लिए ही बनाया गया था।

सभी शस्त्र लाइसेंस धारक संबंधित एसडीएम कार्यालय में अपना मोबाइल नंबर दर्ज करवाएं: जिलाधीश

हरियाणा वाटिका/एजेंसी

भिवानी, 03 अप्रैल। जिलाधीश महावीर कौशिक ने जिला के सभी शस्त्र लाइसेंस धारकों को अति शीघ्र अपने-अपने मोबाइल नंबर संबंधित एसडीएम कार्यालय में अतिशीघ्र दर्ज करवाने के निर्देश जारी किए हैं।

जिलाधीश ने अपने आदेशों में कहा है कि गृह विभाग हरियाणा के निदेर्शानुसार जिला के सभी शस्त्र लाइसेंस धारकों का विवरण मुख्यालय भेजा जाना है। इसलिए सभी लाइसेंस धारक का अपना अपडेट मोबाईल नम्बर अपने-अपने एसडीएम कार्यालय में दर्ज करवाएं। जिलाधीश ने अपने आदेशों में कहा है कि आर्म्स लाइसेंस जिला भिवानी अर्थोरिटी से बना हुआ हैं अथवा जिलाधीश भिवानी द्वारा जारी शुदा है या जिला भिवानी में पुनः पंजीकरण किया हुआ है, वे सभी शस्त्र लाइसेंस धारक संबंधित एसडीएम के कार्यालय मे जाकर या टेलीफोन नम्बर पर अपने शस्त्र लाइसेंस का विवरण सहित मोबाईल नम्बर अपडेट करवाएं।

भिवानी उपमंडल के शस्त्र लाइसेंस धारक कार्यालय उपमंडल अधिकारी (ना.) भिवानी 01664-242101 के टेलीफोन नंबर पर अपना मोबाइल नंबर दर्ज करवाएं। इसी प्रकार से तोशाम उपमंडल के लाइसेंस धारक कार्यालय उपमंडल अधिकारी (ना.) तोशाम 01253-258352, सिवानी उपमंडल के लाइसेंस धारक कार्यालय उपमंडल अधिकारी (ना.) सिवानी 01255-278222 व लोहारू उपमंडल के लाइसेंस धारक कार्यालय उपमंडल अधिकारी (ना.) लोहारू के टेलीफोन नंबर 01252-258227 पर अपना मोबाइल नंबर अतिशीघ्र दर्ज करवाएं।

बिजली दरों में 20 से 40 पैसे प्रति यूनिट वृद्धि से बढ़ेगा आम जनता पर आर्थिक बोझ : जोगेंद्र तालु

हरियाणा वाटिका/एजेंसी

भिवानी, 03 अप्रैल। भाजपा शासनकाल में जनता पहले से ही महंगाई की मार झेल रही है। लेकिन सरकार आमजन को महंगाई से राहत दिलाने की बजाए उन पर और अधिक महंगाई का चाबुक चला रही है। प्रदेश सरकार ने अब बिजली बिलों में 20 से 40 पैसे प्रति यूनिट तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है, जिससे घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। यह बात ग्राम स्वराज किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जोगेंद्र तालु ने बिजली बिलों में बढ़ोत्तरी के फैसले को वापिस लेने की मांग करते हुए कही। तालु ने कहा कि नई दरों के लागू होने के बाद बिजली बिलों में साफ बढ़ोतरी देखी जाएगी। मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए यह बढ़ोतरी परेशानियां बढ़ाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि महंगाई पहले ही बढ़ रही है और अब बिजली बिलों में वृद्धि उनकी परेशानी को और बढ़ा देगी। इससे आमजन पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा तथा उनका घर चलाना भी मुश्किल हो जाएगी। जोगेंद्र तालु ने सरकार से मांग करते हुए बिली यूनिट में की गई बढ़ोत्तरी को तुरंत प्रभाव वापिस लिया जाए, ताकि आमजन को थोड़ी राहत मिल सकें।

धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में फूड टेस्टिंग लैब स्थापित की जाए: नवीन जिन्दल

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 03 अप्रैल। सांसद नवीन जिन्दल ने लोकसभा में वन डिस्ट्रिक्ट, वन फूड टेस्टिंग लैब योजना के अंतर्गत कुरुक्षेत्र में फूड टेस्टिंग लैब स्थापित करने और युवाओं के लिए सप्लाई-आधारित मॉडल की बजाय डिमांड-आधारित स्किलिंग मॉडल की मांग की। प्रश्नकाल के दौरान सांसद नवीन जिन्दल ने कहा, जनस्वास्थ्य और उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर जिले में आधुनिक फूड टेस्टिंग लैब होना आवश्यक है। कुरुक्षेत्र एक कृषि प्रधान एवं तेजी से विकसित होता हुआ शहरी क्षेत्र है, जहां ऐसी सुविधा की अत्यंत आवश्यकता है। इसके साथ-साथ सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि भारत की 65% आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। हमारे देश में नौकरियों की कमी नहीं है, बल्कि स्किल मिसमैच एक बड़ी चुनौती है यानी युवाओं के पास वो कौशल नहीं है जिसकी आज के उद्योगों को जरूरत है। अगर हमें भारत को भविष्य के लिए तैयार करना है, तो हमें सप्लाई-आधारित मॉडल से हटकर डिमांड-आधारित स्किलिंग मॉडल अपनाना होगा। नवीन जिन्दल ने नेशनल स्किल सेंसस कराने की मांग रखी क्योंकि जब तक हमारे पास सटीक आंकड़े नहीं होंगे, तब तक न सही नीति बनेगी और न समाधान निकलेगा। सांसद नवीन जिन्दल के मीडिया सलाहकार डॉ. राज कुमार ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल, धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत हैं। सांसद नवीन जिन्दल ने पूर्व में भी खाद्य सुरक्षा का मुद्दा उठाया था। सांसद नवीन जिन्दल संसद में खाद्य और स्वास्थ संबंधी विषयों को उठाते रहे हैं।

कौशल रोजगार निगम में लगे अध्यापकों को हटाने का अध्यापक संघ ने किया विरोध

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

फतेहाबाद, 03 अप्रैल। हरियाणा कौशल रोजगार निगम में लगे अध्यापकों को हटाने का हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ने पुरजोर विरोध किया है। संघ के जिला प्रधान राजपाल मिताथल, जिला सचिव देसराज माचरा, जिला वरिष्ठ उपप्रधान डॉ. नीतू डूडेजा व राज्य आडिटर सुरजीत दुसाद ने संयुक्त ब्यान जारी करके कहा कि हरियाणा सरकार की दोगली नीति सामने आ रही है। वोट लेने के लिए एचकेआरएन के अंतर्गत स्कूलों में अध्यापक लगाए गए थे। अब राशनलाइजेशन के नाम पर विभिन्न स्कूलों से अध्यापकों को तुरंत प्रभाव से रिलीव कर दिया है।

अध्यापक नेताओं ने कहा कि एक तरफ तो मुख्यमंत्री शेखी बघार रहे थे कि एचकेआरएन में लगे सभी कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा दे दी गई है लेकिन आज कई स्कूलों में अध्यापकों को रिलीव करने के बाद पता चला कि सरकार दोगली बात कर रही है। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ इस तरह से गुपचुप तरीके से हटाए गए अध्यापकों के साथ है और उनको हटाने का पुरजोर विरोध करता है। अगर जरूरत पड़ी तो अध्यापक संघ जोरदार आंदोलन करेगा ताकि उन अध्यापकों को मिले रोजगार की सुरक्षा कर सके। उन्होंने कहा कि 1 अप्रैल से नव शैक्षणिक वर्ष शुरू हो गया है लेकिन सरकार ने पाठ्य पुस्तकें नहीं भेजी हैं और यह भी नहीं कहा जा सकता कि कब तक पाठ्य पुस्तकें भेजी जाएंगी। यह तो भला हो अध्यापकों का जिन्होंने अपने स्तर पर जो बच्चे अगली क्लास में चले गए उनकी किताबों को सुरक्षित रखा और बच्चों को उपलब्ध करवाया। सरकार को व्यवस्था करनी चाहिए उसकी तरफ ध्यान नहीं है लेकिन कच्चे कर्मचारियों को जब मर्जी निकालने की कार्रवाई करने की तरफ रहता है। इससे सिद्ध होता है कि भाजपा केवल चुनाव पर ही अपना ध्यान केंद्रित करती है न कि लोगों की जरूरत पर। उन्होंने कहा कि स्कूलों में अध्यापक पूरे नहीं होंगे तो लोग अपने बच्चों का दाखिला सरकारी स्कूलों में किस लिए करवाएंगे। दूसरी तरफ सरकार बच्चों को सरकारी स्कूल में दाखिला करवाने के लिए ढोल पीट रही है। अगर सरकार सरकारी स्कूलों में मूलभूत आवश्यकताएं पूरी कर देती हैं तो बच्चों की संख्या अवश्य बढ़ेगी।

कैथल में एक मकान में लगी आग, शादी में मिला लाखों का सामान जलकर राख

हरियाणा वाटिका/एजेंसी

कैथल, 03 अप्रैल। कैथल जिले की क्योड़क बस्ती में एक मकान में अज्ञात कारणों से आग लगने का मामला सामने आया है। आग लगने के कारण घर में रखा लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। हालांकि आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं लग पाया है। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने मौके पर पहुंच आग पर काबू पाया लेकिन तब तक सामान जल चुका था

बताया जा रहा है कि परिवार के एक युवक का कुछ दिन पहले विवाह हुआ था। जो सामान शादी में मिला था, उसे अभी तक कमरे में भी नहीं रखा था। वह भी सारा सामान जल गया। परिवार के युवक अनूप ने बताया कि वे तीन भाई हैं। सभी मजदूरी करने के लिए घर से बाहर गए हुए थे। घर में केवल महिलाएं और बच्चे थे। इस दौरान अचानक आग लग गई। आगजनी के कारण बेड,टीवी, अलमारी, कूलर, फ्रिज व पंखे सब जल गए। यहां तक कि कपड़े व चारपाई जलकर राख हो गई।

ग्रामीण क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों को निर्धारित समय अवधि में करें पूरा : विरेन्द्र चौधरी

काम में न बरती जाए कोताही? : कंवलजीत कौर

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 03 अप्रैल। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विरेन्द्र चौधरी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों को निर्धारित समय अवधि में पूरा करे। इन कार्यों को पूरा करने से सम्बन्धित रिपोर्ट प्रशासन को समय पर भेजें, ताकि आगामी बैठक में इन रिपोर्ट की समीक्षा की जा सके।

सीईओ विरेन्द्र चौधरी पंचायत भवन जिला परिषद कार्यालय में ग्रामीण क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को समय पर पूर्ण करने एवं उनकी निगरानी के लिए सरकार की तरफ से दिशा की कमेटी गठित की गई है। इस दिशा की बैठक में सांसद नवीन जिंदल विकास कार्यों को लेकर 2 बार समीक्षा कर चके है और आगामी माह में तीसरी बार विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे।

इस समीक्षा बैठक को लेकर अधिकारी जल्द से जल्द अपने अपने क्षेत्र से सम्बन्धित कार्यों को पूरा करने के उपरांत रिपोर्ट भेज दें। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को 15 अप्रैल तक का टारगेट देते हुए कहा कि उपायुक्त नेहा सिंह के मार्गदर्शन में सभी विकास कार्यों को तेज गति के साथ पूरा किया जाए। इसके लिए सभी अधिकारियों को पूरी मुस्तैदी के साथ काम करने की जरूरत होगी। जिन विभागों का कार्य संतोषजनक नहीं है, उन विभागों को कार्य पूरा करने के लिए 15 अप्रैल तक का समय दिया गया है। इस निर्धारित समय तक सभी अधिकारी अपना कार्य पूरा करना सुनिश्चित करेंगे।

काम में न बरती जाए कोताही : कंवलजीत कौर

जिला परिषद की चेयरपर्सन कंवलजीत कौर ने बैठक के दौरान लाडवा विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान पाया कि कुछ कार्य अपने निर्धारित समय से पीछे चल रहे है। उन्होंने कहा कि इस विषय को अधिकारी गंभीरता से ले और ग्रामीण क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करे।

छठे नवरात्र पर भद्रकाली मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

दुर्गाष्टमी जागरण की भद्रकाली शक्तिपीठ में तैयारी पूरी, सेवक मंडल ने कसी कमर

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 03 अप्रैल। माँ भद्रकाली मंदिर में आज षष्टी को नवरात्रि देवी दिवस के रूप में माँ कात्यायनी जी की पूजा की गई। पीठाध्यक्ष सतपाल शर्मा ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कात्यायन ऋषि के घर पुत्री रूप में जन्म लेने के कारण देवी का नाम कात्यायनी पड़ा। शिक्षा प्राप्ति के क्षेत्र में प्रयासरत भक्तों को माँ की उपासना जरूर करनी चाहिए। पौराणिक कथाओं के अनुसार, माँ कात्यायनी ने ही महिषासुर का वध किया था। आज के कार्यक्रम अनुसार मंदिर मुख्य भवन में प्रातः कालीन मंगला आरती अश्वनी सिंगला कुरुक्षेत्र द्वारा संपन्न की गई। षोडशोपचार पूजा में माँ को अति प्रिय शहद, लाल गुलाब और कमल के फूल अर्पित किए गए। प्रतिदिन की तरह ही मंदिर में नवरात्री व्रत भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें प्रातः 10 बजे कर्मबीर सिंह व दोपहर 12 बजे दिलबाग धनखड़. मुख्य यजमान रहे। इसके साथ ही मंगत राम द्वारा प्रातः 10 बजे व संदीप तायल द्वारा दोपहर 12 बजे का नवरात्रि अन्नपूर्णा भंडारा आयोजित किया गया। सांय 4 बजे भजन संध्या में बब्लू चावला पार्टी ने प्रस्तुति दी जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नायब तहसीलदार परमजीत सिंह ने शिरकत की। मंदिर में महासप्तमी पर होने वाले इच्छापूर्ति हवन यज्ञ की भी तैयारियां पूर्ण हो चुकी है, ये हवन 4 अप्रैल, प्रातः 10 बजे प्रारंभ होगा। इस मौके पर उपाध्यक्ष डॉ एम के मौदगिल, देवेंद्र गर्ग, आशीष दीक्षित, सुनील वर्मा, जीवन मौदगिल, विशु, राजकुमार, ऋषि तोमर, अनिल सहित सैकड़ों सेवक मौजूद रहे।

एडीसी ने किया गांव माजरी, महमदपुर, छौत व फ्रांसवाला के राजकीय स्कूलों का निरीक्षण

मुख्यमंत्री स्कूल सौंदर्यकरण योजना के तहत खंड स्तर पर चयनित जिला के 22 राजकीय स्कूलों का किया जा रहा है दौरा

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार

कैथल, 03 अप्रैल। मुख्यमंत्री स्कूल सौंदर्यकरण योजना के तहत खंड स्तर पर चयनित जिला के 22 राजकीय स्कूलों में निरीक्षण किया जा रहा है। इसी के अंतर्गत एडीसी दीपक बाबू लाल करवा की अध्यक्षता में बनाई गई कमेटी ने गांव माजरी, महमदपुर, छौत व फ्रांसवाला के राजकीय स्कूलों का निरीक्षण किया और निर्धारित पैमाने पर स्कूलों का आंकलन किया।

एडीसी ने बताया कि मुख्यमंत्री स्कूल सौंदर्यकरण योजना में नियम अनुसार कार्य करने के लिए कमेटी का गठन किया गया है। खंड स्तर पर चयनित 22 स्कूलों का निरीक्षण करके व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है। जिसके आधार पर जिला स्तर पर एक-एक प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च और वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल का चयन किया जाएगा, जिन्हें सम्मानित किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान कमेटी ने स्कूल के सौंदर्यकरण के साथ साथ स्कूल शिक्षा स्तर, मिड डे मिल, प्रवेश उत्सव के दौरान दाखिल हुए बच्चों की जानकारी भी ली और संबंधित स्कूल मुखियाओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सभी अध्यापक समय पर स्कूल आएं और शिक्षा स्तर में ओर सुधार करें। बच्चों सरकार द्वारा दी जा रही सभी सुविधाओं का लाभ समय पर उपलब्ध करवाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी अध्यापक अभिभावकों को प्रोत्साहित करें कि वे अपने बच्चों का दाखिला सरकारी स्कूलों में करवाएं। सभी अध्यापक ग्राम पंचायत और एसएमसी के साथ मिलकर सुनिश्चित करें कि उनके गांव में एक भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। इस मौके पर डीईओ रामदिया गागट, कार्यक्रम अधिकारी गुरजीत कौर के अलावा अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जिला जेल में जेल लोक अदालत का आयोजन

लोक अदालत में चार कैदी रिहा

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 03 अप्रैल। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार स्थानीय जिला जेल में जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस जेल लोक अदालत में कुल 10 केस रखे गए, जिनमें चार केसों का निपटारा करते हुए चार कैदियों को रिहा कर दिया गया।

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला ने बताया कि हर माह दो बार जेल लोक अदालत लगाई जाती है, जिसमें छोटे केसों में लंबे समय से जेल में बंद कैदियों को रिहा किया जाता है। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला ने जेल का दौरा भी किया, कैदियों से बातचीत की व उनकी समस्याएं सुनी। साथ ही उन्होंने मुफ्त कानूनी सहायता योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण द्वारा जेल में कानूनी जागरूकता शिविर का भी आयोजन किया गया। इस शिविर में सहायक एलएडीसी देवेंद्र कौर ने कैदियों को कानूनी जानकारी दी। इस लोक अदालत में जेल अधीक्षक जसवंत सिंह व उप जेल अधीक्षक मोहन सिंह व अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

संसद में वक़्फ बिल पास होने से खुशी में झूमे जठलाना गाँव के सिख समाज के लोग

रादौर विधानसभा के गाँव जठलाना गांव के गुरुद्वारे को 78 साल से अपना बता रहा है वक़्फ बोर्ड

हरियाणा वाटिका/एजेंसी

रादौर, 03 अप्रैल। लोकसभा में केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा लोकसभा में वक़्फ बिल की चर्चा के दौरान जठलाना के गुरुद्वारे का ज़िक्र ।संसद में वक्फ बोर्ड बिल संशोधन के दौरान हरियाणा के यमुनानगर के रादौर ब्लॉक के गाँव जठलाना गुरुद्वारा का मामला जमकर गुंजा । 1947 में भारत-पाक विभाजन के समय यह जगह मस्तान चंद को अलॉट की गई थी। जिन्होंने इसे गुरुद्वारा को सौंप दिया था, लेकिन 1967 में वक्फ बोर्ड ने इस पर दावा कर दिया और तब से यह मामला कोर्ट में चल रहा है. इस गुरुद्वारा में विकास का कोई काम नहीं हुआ और यह खंडहर में तब्दील हो गया. संसद में इसका जिक्र होते ही इलाके के लोगों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी, हालांकि मुस्लिम पक्ष अभी भी इस पर अपना हक जताता है और इसे मस्जिद बताता है।दरअसल मिली जानकारी के अनुसार साल 1947 में भारत-पाक विभाजन के समय कुछ लोग पाकिस्तान से आकर भारत में बसे थे और सरकार ने उन्हें कई जगहें अलॉट की थीं. यमुनानगर के कस्बा जठलाना में मस्तान चंद को एक जगह अलॉट की गई थी, जिसे उन्होंने गुरुद्वारा को सौंप दिया. 1963-64 में वक्फ बोर्ड बनने के 3 साल बाद मुस्लिम पक्ष ने इस जमीन पर दावा ठोक दिया और इसे मस्जिद बताने लगे।

सोनभद्र में पुलिस मुठभेड़ में एक पशु तस्कर घायल, चार गिरफ्तार

हरियाणा वाटिका/एजेंसी

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र जिले के कोन थाना क्षेत्र में पुलिस टीम व पशु तस्करों से हुई मुठभेड़ में गोली लगने से एक तस्कर घायल हो गया व चार तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मौकै से 39 गौवंश भी बरामद किया गया है।

पुलिस क्षेत्राधिकारी हर्ष पाण्डेय ने बुधवार को बताया की बीती मध्य रात्रि में पुलिस को सूचना मिली कि कुछ पशु तस्कर गौवंश को लेकर थाना कोन अन्तर्गत चकरिया बॉर्डर के पास जंगल के रास्ते से सोमा पहाड़ी, रामपुर बरकोनिया होते हुए बिहार झारखण्ड में बेचने हेतु जा रहे है । उक्त सूचना पर प्रभारी निरीक्षक कोन व थानाध्यक्ष रामपुर बरकोनिया मय पुलिस बल द्वारा तस्करों की घेराबंदी की गई जिसपर पुलिस से घिरता हुआ देखकर 05 अभियुक्तों में से एक अभियुक्त ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने भी आत्मरक्षार्थ में जवाबी कार्रवाई की जिसमें अभियुक्त कुर्बान अली पुत्र स्व0 मो0 खलील निवासी पनौरा थाना माँची जनपद सोनभद्र के पैर में गोली लगने से घायल हो गया ।

घायल बदमाशा को इलाज हेतु सीएचसी कोन भिजवाया गया जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल लोढ़ी रेफर कर दिया गया है। पुलिस टीम ने मौके से चार पशु तस्करों रामाधार, राजदेव, वीरभान, मुन्ना अगरिया सभी निवासी सोहदार थाना मांची जिला सोनभद्र को गिरफ्तार कर लिया है।

मौके से गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 39 राशि गौवंश, एक तमंचा 315 बोर, एक खोखा कारतूस व एक जिन्दा कारतूस बरामद किया गया है।

गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना कोन पर धारा 109 बीएनएस व धारा 3/5ए/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम व धारा 3/25 आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अयोध्या में सड़क हादसा, 3 डंपरों की टक्कर से लगी आग, 2 जिंदा जले

हरियाणा वाटिका/एजेंसी

यूपी के अयोध्या में भीषण सड़क हादसा हो गया। अयोध्या-रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार सुबह 4 बजे गिट्टी लदे तीन डंपर के आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि डंपरों में आग लग गई। जिसमें दो लोगों की जलकर मौत हो गई। टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस दी।फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची लेकिन तब तक डंपर पूरी तरह से जल चुका था। मौके पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। मरने वालों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। पहचान की जा रही है।

इनायत नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित सेवरा मोड़ के पास तीन डंपर दुर्घटनाग्रस्त हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार घटना में सबसे आगे चल रहा डंपर अचानक रुक गया। इसके कारण पीछे आ रहे दो डंपर आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों डंपरों में आग लग गई। डंपरों के टक्कर की तेज आवाज सुनकर स्थानीय लोग भी दुर्घटना स्थल पर पहुंच गए।

स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया। मिल्कीपुर और पुलिस लाइन से भी फायर यूनिट्स पहुंचीं। लेकिन तब तक दोनों डंपर पूरी तरह जल चुके थे। सबसे पीछे वाले डंपर में से दो जले हुए शव बरामद हुए हैं जिनकी पहचान नहीं हो सकी है। बीच वाला डंपर भी पूरी तरह जल गया। 4 घंटे के बाद भी दुर्घटना स्थल से जले हुए वाहनों को हटाया नहीं जा सका है।

छात्रा से मुलाकात पर सहारनपुर के कॉलेज में हंगामा, प्रिंसिपल ने करा दिया केस

हरियाणा वाटिका/एजेंसी

सहारनपुर के कोतवाली सदर बाजार क्षेत्र में एक डिग्री कॉलेज में छात्रा से मिलने आए दूसरे वर्ग के युवक को कॉलेज प्रबंधन के लोगों ने शक होने पकड़ लिया। विरोध करते हुए युवक ने हंगामा कर दिया। आरोपी के खिलाफ प्रधानाचार्य की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

घटना मंगलवार की दोपहर की है। महानगर निवासी छात्रा कोतवाली सदर बाजार क्षेत्र में स्थित एक डिग्री कॉलेज में पढ़ती है। मंगलवार की दोपहर दो बजे एक युवक कॉलेज में पहुंच गया और छात्रा के साथ बातचीत करने लगा। बताया जाता है कि दोनों कॉलेज परिसर में एक बेंच पर बैठकर बातचीत कर रहे थे। कॉलेज प्रशासन के लोगों को युवक के संदि?ध होने की आशंका हुई। क्योंकि, युवक कॉलेज की ड्रेस में भी नहीं था। कॉलेज परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में युवक की हरकत कैद हो गई। मौके पर कॉलेज प्रबंधन से जुड़े लोग युवक के पास पहुंच गए।

पहले तो युवक खुद को कॉलेज का छात्र बताने लगा। इस पर कॉलेज प्रबंधन के लोगों ने युवक को आई कार्ड दिखाने के लिए कहा, लेकिन वह आई कार्ड नहीं दिखा सका। कॉलेज प्रशासन से जुड़े लोगों ने आरोपी युवक को पकड़ लिया। इसका विरोध करते हुए युवक हंगामा करने लगा। कोतवाली सदर बाजार पुलिस को दी गई। पुलिस पहुंच गई और युवक को हिरासत में लेकर कोतवाली ले आई। जांच में सामने आया कि युवक और छात्रा बीच दोस्ती है। कोतवाली सदर बाजार इंस्पेक्टर रोजंत त्यागी ने बताया कि का नाम नदीम है और वह मानकमऊ का रहने वाला है। आरोपी को अदालत में पेश कर जेल भेजा जाएगा।

मंदिर में आग लगने से मूर्तियां खंडित

यूथ इण्डिया

सहारनपुर के नानौता स्थित श्री हनुमान मंदिर में आग लगने से हड़कंप मच गया। धुंआ उठता देख कॉलोनीवासियों ने भागकर घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। साथ ही अन्य सामान जलकर राख हो गया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

कॉलोनीवासियों का मानना है कि मूर्ति के समीप रखे दिए से भगवान के चोले के आग पकड़ने से हादसा हुआ है। मंगलवार की शाम नगर की राजीव गांधी कालोनी स्थित श्री हनुमान जी मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा विधि विधान से पूजा अर्चना की गई थी। रात्रि करीब आठ बजे मंदिर से धुंआ उठता देख श्रद्धालुओं ने गेट खोलकर देखा तो गर्भगृह में भीषण आग लगी थी। देखते ही देखते पूरी कालोनी मंदिर पर पहुंच गई और बाल्टियों सहित जिसे जो मिला उसी से पानी डालकर आग को बुझाने का प्रयास किया। घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद लोगों ने आग पर काबू पाया।

मेरठ में 10वीं के छात्र की गोली मारकर हत्या

हरियाणा वाटिका/एजेंसी

मेरठ। उत्तर प्रदेश में मेरठ के गंगानगर थाना क्षेत्र में 10वीं कक्षा के छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई है।

ग्लोबल सिटी कॉलोनी में मंगलवार देर रात मिले शव के सीने में गोली लगने का निशान था, पास में ही पिस्टल पड़ी मिली। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान प्रशांत के रूप में हुई है, जो अब्दुल्लापुर गांव का रहने वाला था। उसके पिता बिजेंद्र ने पुलिस को बताया कि प्रशांत बीती रात जिम जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। काफी खोजबीन के बाद परिवार को पुलिस से उसका शव मिलने की सूचना मिली।

पुलिस का कहना है कि घटनास्थल पर मिली पिस्टल पर 'बाबा' लिखा हुआ था। जिसकी जांच की जा रही है कि प्रशांत का पहले से कोई विवाद था या परिवार में कोई पुरानी दुश्मनी थी, जिसके चलते हत्या की गई हो। जांच में मदद के लिए फोरेंसिक टीम ने हथियार से फिंगरप्रिंट एकत्र किए हैं।

सीओ सदर देहात शिव प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस आसपास के इलाकों से सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है ताकि पता लगाया जा सके कि प्रशांत के साथ कोई और था या नहीं। जांचकताओं ने अतिरिक्त सुराग के लिए जिम संचालक से भी पूछताछ की है। परिवार की शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

दलित युवती संग गैंगरेप मामले में इंस्पेक्टर और चौकी इंचार्ज लाइन हाजिर

हरियाणा वाटिका/एजेंसी

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रताप गढ़ जिले में थाना क्षेत्र रानी गंज के दुगार्गंज बाजार में प्राइवेट हॉस्पिटल में काम करने वाली दलित युवती की ड्यूटी के दौरान गैंगरेप और हत्या मामले में इंस्पेक्टर रानीगंज आदित्य कुमार सिंह और चौकी इंचार्ज रोहित यादव को लाइन हाजिर कर दिया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) डॉ. अनिल कुमार ने इस मामले में बड़ा एक्शन लिया है। एसपी ने दुगार्गंज बाजार में मामले को लेकर हुए बवाल में बुधवार को बताया कि मामले में मिली जांच रिपोर्ट के अनुसार पुलिस के अड़ियल रवैये से दुर्गा गंज के ग्रामीण भड़क गये थे और बवाल हो गया था,जिसमे ग्रामीणों द्वारा किये गये पथराव में कई पुलिस कर्मी घायल हो गये थे।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह दुर्गा गंज बाजार के एक निजी अस्पताल में रात में ड्यूटी के दौरान एक 22 वर्षीय दलित युवती की मौत हो गयी थी। मृतका के परिजनों ने अस्पताल के डाक्टर सहित अस्पताल कर्मियों पर दलित युवती के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या का आरोप लगाया था। घटना से आक्रोषित ग्रामीण मृतका के शव को अस्पताल के बाहर रखकर धरने पर बैठ गये थे, कुछ पुलिस कर्मियों ने ग्रामीणों को समझाने बुझाने के बजाय उनपर डंडा चला दिया था जिससे वहाँ बवाल हो गया था।

मुरादाबाद :कार-ट्रक की भिड़ंत में दो युवतियों की मौत दो युवक घायल

हरियाणा वाटिका/एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जीरो प्वॉइंट पर बीती रात कार और ट्रक की आमने-सामने की भिड़ंत में कार सवार दो युवतियों की मौत हो गई जबकि दो युवक घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से भाग गया। दुर्घटना के कारण दिल्ली-लखनऊ एन एच-09 पर मीलों लंबे लगे जाम में वाहन घंटों फंसे रहे।

मां-बेटी का रिश्ता अनमोल फिर क्यों आ जाती हैं दूरियां?

मां बेटी का रिश्ता दुनिया में सबसे अनमोल होता है। बेटी को मां की ही छवि माना जाता है क्योंकि वो उन्हीं से सारे गुण व आदतें सीखती हैं। साथ ही एक मां में बेटी अपना दोस्त, हमदर्द भी ढूंढ लेती हैं। वहीं, बेटी के रूप में एक मां अपना बचपन दोबारा जी लेती हैं। मगर, कई बार मां-बेटी के रिश्ते में जरा-सी नौंक-झौंक भी हो जाती है जो धीरे-धीरे उनके बीच दूरियां बढ़ा देती हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिसके बारे में आज हम आपको बताएंगे।

उम्र के पहले जिम्मेदारियों का अहसास

अक्सर मांएं अपनी बेटियों को बचपन से ही जिम्मेदारियों का अहसास करवाने लगती हैं। उन्हें बचपन से ही जताया जाता है कि उन्हें दूसरे घर जाना है इसलिए काम करो। इसके कारण बच्चियां अपना बचपन खो देती हैं और मां से दूरी भी बना लेती हैं।

बेटी पर विश्वास न करना

अगर बेटी मां-पिता की इज्जत का ख्याल रख रही हैं तो जाहिर है वो आपसे भरोसे की उम्मीद भी रखेगी। बेटियाँ भी चाहती हैं कि घर के लोग उन पर भरोसा करें मगर, जब आप, खासकर मां और एक औरत होकर जब आप अपनी बेटी पर विश्वास नहीं करती तो उनका मनोबल टूट जाता है। इसके कारण वो आपसे कटी-कटी रहने लगती हैं। और ये एक बहुत अहम् वजह है कि बेटियाँ अपनी माँ से दूर हो जाती हैं।

रोक-टोक करना

बेशक बेटी को सही गलत का एहसास करवाना पेरेंट्स की जिम्मेदारी है लेकिन कई आपकी चिंता इतना ओवरप्रोजेसिव हो जाती है कि लड़कियां इन्हें बाउंडेशन समझ लेती हैं। अब अगर कोई बेटियों के मन की बात ना समझ पाए तो दूरियां जायज है।

बात-बात पर कमियां निकलना

हर छोटे-मोटे काम पर बेटियों की कमियां ना गिनवाए और ना ही दूसरों से तुलना करें। आपका यह व्यवहार उनका मन खराब कर देता है और प्यार की जगह नफरत उनके मन में घर कर लेती है। इससे मां-बेटी की बीच दूरियां भी आ जाती हैं।

बेटी और बेटे में फर्क करना

समय भले ही बदल चुका हो लेकिन बेटी और बेटे के बीच आज भी दीवार खड़ी कर दी जाती है। इसके कारण बेटी के मन में हीनभावना जन्म ले लेती है और वो मानसिक तौर पर अलग हो जाती है।

मन की बात ना समझना

बेटियों को रोकना टोकना हर घर की बात है। और इसी रोक टोक की वजह से कई बार बेटियाँ अपनी माँ से दूर होती जाती हैं। बेटियों की मन की बात अगर मां ही न समझ पाए तो ये दूरियां जायज है। इसलिए अत्यधिक रोक टोक पर बेटियां अपनी मां से थोड़ी दूरी बना लेती हैं। अगर आप अपनी बेटी के साथ रिश्ता मजबूत बनाना चाहते हैं तो ये गलतियां ना दोहराएं। हर बेटी को घर में वो प्यार मिलना चाहिए जिसकी वो हकदार है।

अगर आप भी अपने बच्चे की कम हाइट से हैं परेशान तो उन्हें

रोजाना कराएं ये आसन

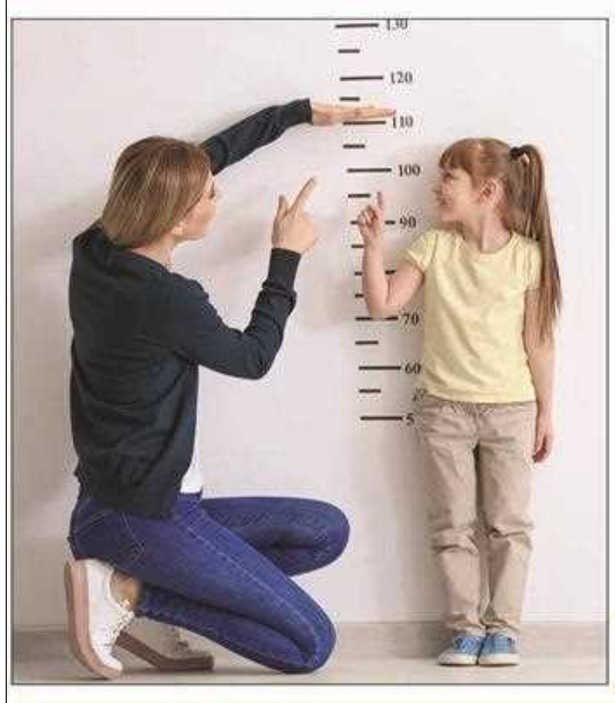

बच्चे खाने के मामले में बहुत आनाकानी करते हैं। मगर इससे उनके शारीरिक व मानसिक विकास में रूकावटें आने लगती है। इसके अलावा कई बच्चों की हाइट भी कम रह जाती है। मगर असल में, हाइट यह एक उम्र के बाद बढ़ने बंद हो जाती है। ऐसे में कई पेरेंट्स इसके डर के कारण बच्चों को हाइट बढ़ाने की दवाइयां खिलाने लगते हैं। मगर इससे सेहत के खराब होने की परेशानी हो सकती है। ऐसे में आप चाहे तो बच्चे की डेली रूटीन में योगासन को जोड़ सकते हैं। इसे करने में बॉडी की अच्छे से स्ट्रेचिंग होती है। ऐसे में बच्चे की नेचुरल तरीके से हाइट बढ़ने के साथ सेहत दुरुस्त रहने में भी मदद मिलेगा।

ताड़ासन

1. सबसे पहले खुली जगह पर एकदम सीधे खड़े हो जाएं।
2. दोनों हाथों की उंगलियों को बीच में फंसाकर या हाथों को नमस्कार की मुद्रा में रख कर ऊपर की तरह करें।
3. धीरे-धीरे एड़ियों को उठाकर शरीर का सारा भार पंजों पर डालें।
4. इसी मुद्रा में खड़े रहकर पूरे शरीर को स्ट्रेच करें।
5. फिर गहरी सांस लें।
6. थोड़ी देर बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।
7. इस आसान को 4-5 बार करें।

इससे हाइट बढ़ने में मदद मिलेगी। पूरे शरीर में मजबूती आएगी।

वृक्षासन

1. इस आसन को करने के लिए खुली जगह पर सीधे खड़े हो जाएं।
2. दाहिने पैर को अपने बाएं पैर पर रखें।
3. दोनों हाथों को नमस्ते की मुद्रा में रखकर ऊपर ले जाएं।
4. एक पैर से बैलेंस बनाएं।
5. थोड़ी देर इसी मुद्रा में रहने के बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।
6. इसके बाद दूसरे पैर से इस योगासन को करें।

इससे रीढ़ की हड्डी एकदम सीधी होगी। पैरों व हाथों की मांपेशियों में खिंचाव होने से हाइट बढ़ने में मदद मिलेगी।

योगासन करने के अन्य लाभ

- पूरे शरीर में खिंचाव होने से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी।
- पाचन तंत्र दुरुस्त होकर पेट संबंधी समस्याएं दूर होगी।
- दिमाग शांत होने से स्मरण शक्ति बढ़ेगी।
- कमजोरी, थकान व आलस दूर होकर दिनभर तरोताजा महसूस होगा।
- शरीर में खून का संचार बेहतर होने में मदद मिलेगी।
- इम्यूनिटी बूस्ट होने से मौसमी व अन्य बीमारियों से बचाव रहेगा।

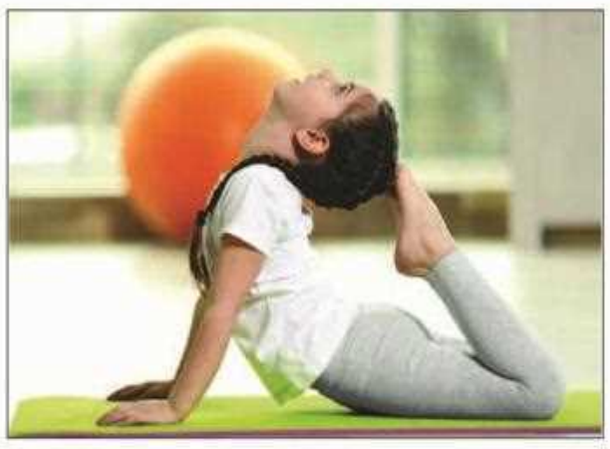

कहीं बिगड़ तो नहीं रहा आपका बच्चा, कुछ इस तरह से पहचाने

बच्चे का मन कोरे कागज की तरह होता है। ऐसे में वे अपने आसपास के लोगों व चीजों जल्दी समझकर उन्हें सीख लेते हैं। कई बार वे ऐसी बातें व काम भी सीख लेते हैं जो उनके बेहतर मानसिक व व्यावहारिक विकास में बांधा डालते हैं। असल में, पेरेंट्स के बिजी होने या बच्चों को अधिक छूट देने से वे बिगड़ सकते हैं। ऐसे में कई बच्चे तो लड़ाई, मारपीट, गलत भाषा इस्तेमाल करना आदि शुरू कर देते हैं। ऐसे में पेरेंट्स का फर्ज बनता है कि वे शुरूआती दौर पर ही बच्चों पर ध्यान दें। तो चलिए आज हम आपको इस आर्टिकल में कुछ बातें बताते हैं, जो बच्चे के बिगड़ने की ओर इशारा करते हैं। ऐसे में आप समय रहते ही उनपर काबू पा सकते हैं।

दूसरों को तंग करना

छोटे बच्चे दूसरों को चिढ़ाकर खुश होते हैं। मगर बार-बार ऐसा बर्ताव करना सही नहीं होता है। ऐसे में उसकी संगत को पहचान कर उसे ऐसा करने से रोकें। उसे सही व गलत की पहचान करवाते हुए एक बेहतर इंसान बनाए।

लड़ाई करना

बच्चे का घर पर या पड़ोस में लड़ना भी उसके बिगड़ने की और इशारा करता है। असल में, ऐसी चीजें बच्चा घर के बड़े, दोस्तों व टीवी देखकर सीखता है। ऐसे में अपने घर का माहौल शांत व खुशनुमा रखें। साथ ही उसके द्वारा मारपीट या झगड़ा करने पर उसे प्यार से गलती का अहसास करवाएं। कई बच्चे अटेंशन डेफिसिट हाइपर डिस्ऑर्डर के शिकार होने के कारण ऐसा करते हैं। ऐसे में इस बात का खास ध्यान रखें।

गलत शब्दों व भाषा का इस्तेमाल करना

अगर कहीं आपका बच्चा गलत शब्द या भाषा का इस्तेमाल करें तो अलर्ट हो जाएं। इसका मतलब है कि वह बुरी संगत में पड़ रहा है। इसके लिए उसके कुछ गलत कहने पर तुरंत उसे रोके। मगर उसे डांटने की जगह प्यार से समझाएं। नहीं तो बच्चा नाराज हो सकता है। साथ ही घर का माहौल सही रखें। इसके अलावा इस बात ध्यान रखें कि आपका बच्चे किस से मिलता है। उसकी संगत चैक करके उसके बिगड़ने का कारण पता करें।

बात-बात पर जिद्द करना

अक्सर बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर भी जिद्द करने की आदत होती है। मगर अगर कई बच्चा किसी बात पर अड़ जाएं, घंटों रोता रहे या खाना-पीना छोड़ दें तो यह उसके बिगड़ने की ओर इशारा करता है। ऐसे में मां-बाप का फर्ज है कि वे बच्चे को सही-गलत की पहचान करवाते हैं उसे सही राह पर लाएं। अगर बच्चा प्यार से ना माने तो इसके लिए सख्ती भी कर सकते हैं।

झूठ बोलना व चोरी करना

बच्चे का झूठ बोलना व चोरी करना भी उसके बिगड़ने की ओर संकेत करता है। ऐसे में उसका झूठ पकड़ कर प्यार से उसे समझाएं। बच्चे का मन बड़ा ही चंचल होता है। ऐसे में उसे डांटने की जगह प्यार से सही व गलत बताएं। साथ ही उससे ऐसा करने का कारण पूछे। इसके अलावा बच्चे की जरूरत का अच्छे से ध्यान रखें।

कुछ साल पहले टेलीविजन मनोरंजन का एक मात्र जरिया था। लेकिन समय के साथ-साथ मनोरंजन के विकल्प बढते गए। पहले बच्चे अपना अधिकतम समय कहानी सुन कर या खेल खुल कूद में बिताया करते है। परंतु आज वे टीवी देखते हुए अन्य कंप्यूटर खेल को खेल कर बिताना पसंद करते हैं। वे अपने शरीर को बिल्कुल भी हिलाना पसंद नहीं करते। कभी-कभी वे दवा के डर से समस्या को बताते ही नहीं है। परंतु माता-पिता होने के नाते उनके स्वास्थ्य का ख्याल रखना हमारी जिम्मेदारी है। इसलिए साल में एक बार अपने बच्चे के पूरे शरीर की जांच कराना बहुत जरूरी है। यदि आपको लगता है कि आपके बच्चे की नजर कमजोर हो रही है। पता लगाने के लिए नीचे दिए गए लक्षणों पर ध्यान दें। यदि इन्में से कुछ लक्षण आपके बच्चे में मौजूद हैं तो तुरंत उसके आंखों की जांच कराएं।

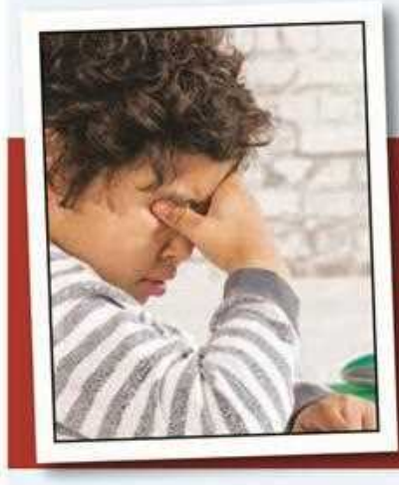

बच्चों की नजर कमजोर होने के 10 लक्षणों को जानें

आंखों को मलना

बच्चों को नींद में अपनी आंखों को मलने की आदत होती है। लेकिन, अगर आपका बच्चा दिन भर आंखे मलता रहता है तो यह एक कमजोर नजर की निशानी हो सकती है।

सर दर्द

सर दर्द के कई कारण होते हैं। लेकिन अगर टीवी देखते हुए या पढाई करते हुए उसे सर दर्द हो रहा है या रोज शाम को सर दर्द की शिकायत हो। तब समझ लें कि आपके बच्चे को चिकित्सा की आवश्यकता है।

एक आंख बंद करता

यदि आपका बच्चा एक आंख बंद करके टीवी देखने लगे या वीडियो गेम खेलने लगे तब समझ जाएं कि उसे चश्मा लगने वाला है।

तेज रोशनी में पलके झपकना

क्या आपके बच्चे को उजाले से परेशानी होती है? या तेज रोशनी देखकर वह अपनी पलकों को तेजी से झपकता है? तेज रोशनी से धीमी रोशनी को ओर बढते वक्त क्या उसे धब्बे नजर आते है? इन सारे लक्षणों का कारण है विटामिन की कमी। अपने बच्चे के आहार में विटामिन ए की मात्रा को बढाएं और उसे रोज सुबह गाजर का जूस पिराएं।

भेंगापन

कई बार बच्चे मजाक में भी अपनी नजरों को तिरछा कर ते हैं। यदि ये मजाक ना हो कर हर दूसरे, तीसरे दिन की आदत बनती जा रही है तो आदत की वजह को पहचाने और अपने बच्चे की आंखों का इलाज कराएं।

सर घुमाना

बार-बार सर घुमाना भी कमजोर नजर का एक लक्षण है। यदि आपका बच्चा टीवी देखते वक्त बीच-बीच में आंखों को बंद करके सर को हिलाता रहता है, तब इस लक्षण पर ध्यान दें।

नजदीक से देखना

यदि आपके बच्चे को दूर से कोई चीज साफ ना नजर आए और वो उसे देखने के लिए बहुत करीब आए। तब यह सरल लक्षण, उसकी कम होती दृष्टि का संकतक है।

आई बॉल की गति

हालांकि, इस लक्षण को पहचानना आपके लिए थोडा सा मुश्किल हो सकता है। इस लक्षण को पहचाने के लिए बात करते वक्त आपको अपने बच्चे की आंखों को गौर से देखना होगा। यदि आई बॉल की गति में कुछ भिन्नता नजर आए तो तुरंत एक नेत्र विशेषज्ञ से संपर्क करें।

लाल आंखें

नींद पूरी ना होना या नेत्रश्लेष्मला शोथ के कारण भी बच्चों की आंखे लाल हो सकती हैं। परंतु यदि ये दो कारण मौजूद ना हो तब कमजोर नजर ही इसका सही कारण होगा।

आंखों में दर्द

आंखों में दर्द के कारण बच्चे को आंखों में चुभन महसूस होती है तथा उसके आंखों से पानी भी आने लगता है। यदि ये लक्षण लगातार नजर आएं तो समझे की निगाहों पर चश्मा टिकाने का वक्त आ गया है।

बच्चों के बेहतर शारीरिक विकास के लिए उनकी डाइट खास होनी चाहिए। खासतौर पर उनकी मांसपेशियों व हड्डियों की मजबूती के लिए विटामिन डी की जरूरत होती है। इसकी कमी से उनकी हड्डियां कमजोर होने के साथ शारीरिक विकास धीमा पड़ जाता है। वैसे तो इसकी कमी को पूरा करने के लिए सूरज की रोशनी बेहद फायदेमंद होती है। यह शरीर में कैल्शियम को अवशोषित करने व हड्डियों में मजबूती दिलाने में मदद करता है। मगर आप डाइट में कुछ चीजों को शामिल करके भी इसकी कमी को पूरा कर सकते हैं। तो चलिए आज हम विटामिन-डी से भरपूर चीजों के बारे में बताते हैं। मगर उससे पहले जानते हैं इसकी कमी के लक्षण....

बच्चे में पहचाने विटामिन डी की कमी, जरूर खिलाएं यह आहार

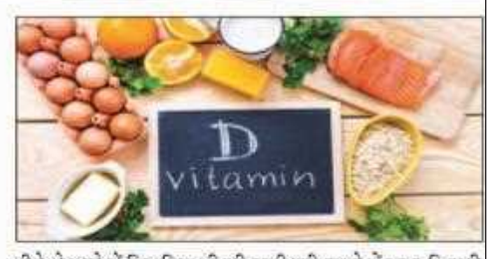

बच्चे में विटामिन डी की कमी के लक्षण

- मांसपेशियों व हड्डियों का कमजोर होकर दर्द होना
- शारीरिक विकास धीमी गति से चलना
- स्वभाव में चिड़चिड़ापन बढ़ना
- इसकी कमी के कारण बच्चे को रिकरंट इन्फेक्शन यानी बार-बार सर्दी-खांसी व मौसमी बीमारियां होना
- दिनभर थकान व कमजोरी रहना

विटामिन डी से भरपूर सुपर फूड्स

सोया से भरपूर चीजें

विटामिन डी से भरपूर चीजों की लिस्ट में सोया भी शामिल होता है। ऐसे में बच्चे की डाइट में सोया से भरपूर टोफू, दूध और सोयाबीन शामिल करें। इससे बच्चे को सही मात्रा में विटामिन डी मिलने के साथ शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलेगी।

दूध : इसकी कमी पूरा करने के लिए दूध पीना भी बेस्ट ऑप्शन है। असल में दूध में कैल्शियम के साथ उचित मात्रा में विटामिन डी में पाया जाता है। इसलिए रोजाना 1 गिलास दूध का सेवन करने से बच्चे में इसकी कमी पूरी की जा सकती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, 1 गिलास दूध का सेवन करने से दिनभर की जरूरत के अनुसार 1/4 विटामिन डी की मिल सकता है।

संतरा : वैसे तो विटामिन-सी के लिए संतरा खाने की सलाह दी जाती है। मगर असल मे, इसमें विटामिन-सी और डी सही मात्रा में मौजूद होता है। ऐसे में रोजाना इसका सेवन करने से विटामिन डी की सही मात्रा में मिलता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, रोजाना 1 गिलास ताजे संतरे का जूस पीने से बच्चे में विटामिम डी की कमी पूरी करने में मदद मिलती है। इसके अलावा संतरे अन्य पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। ऐसे में इसके सेवन से बच्चे की मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी। शारीरिक व मानसिक विकास बेहतर होने के साथ स्किन से जुड़ी परेशानियों से भी राहत रहेगी।

मशरूम : मशरूम खाने में टेस्टी होने के साथ विटामिन डी से भरपूर होती है। इसके सेवन से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आने में मदद मिलती है। खासतौर पर बच्चे की ग्रोथ के लिए मशरूम काफी फायदेमंद मानी जाती है। ऐसे में इसे बच्चे की डेली डाइट में जरूर शामिल करें। आप इससे बच्चे को अलग-अलग डिशेज बनाकर खिला सकते हैं।

अंडा : अगर आप नॉन वेजीटेरियन है तो बच्चे की डाइट में अंडे शामिल करें। इसका सफेद भाग विटामिन डी से भरपूर होता है। ऐसे में इसके सेवन से बच्चे को इसकी कमी पूरी करने में मदद मिलेगी। साथ ही उसकी सेहत में सुधार आएगा।

सम्पादक, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक नेहा वालिया द्वारा साई प्रिंटिंग प्रैस, बी-868, न्यू अशोक नगर, दिल्ली-110096 से मुद्रित एवं वालिया सदन वार्ड संख्या 10, लोहारू, भिवानी (हरियाणा) 127201 से प्रकाशित। समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों के लिए पीआरबी एट के तहत उत्तरदायी। फोनः01252-259260, 9255149495, ईमेलः haryanavatika@gmail.com हरियाणा वाटिकाः- प्रेरणास्त्रोत- स्व. डॉ. एल सी वालिया, समूह संपादक एवं संरक्षक- श्रीमति सरला वालिया, संपादक- श्रीमति नेहा वालिया, कार्यकारी संपादक- श्रीमति रितू वालिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।